सतना
26 फरवरी 2026 गुरुवार

# दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

## मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध रूप से रह रहे 25 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

**मुंबई, एजेंसी।** मुंबई पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी कारवाई की है। पुलिस ने अंधेरी के वर्सोवा इलाके से 25 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी लोग बिना किसी वैध दस्तावेज के पिछले कई साल से यहां रह रहे थे। पुलिस को इनके पास से बड़ी संख्या में जाली भारतीय पहचान पत्र भी मिले हैं। इस कारवाई को वर्सोवा पुलिस की एंटी-टेरर सेल ने अंजाम दिया है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों में 21 ट्रांसजेंडर, 2 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। ये सभी मुंबई के अंधेरी पश्चिम में स्थित यारी रोड इलाके में रह रहे थे। पुलिस को काफी समय से इस इलाके में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की सूचना मिल रही थी, जिसके बाद यह कारवाई की गई।

**खुफिया जानकारी पर पुलिस ने मारा छापा :**वर्सोवा पुलिस को एक मुखबिर से पुख्ता जानकारी मिली थी कि ये सभी लोग देर रात यारी रोड पर एक दरगाह के पास इकट्ठा होने वाले हैं। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस की एंटी-टेरर सेल (एटीसी) टीम ने योजना बनाकर इलाके में छापा मारा और सभी 25 लोगों को हिरासत में ले लिया।



**कोलकाता के रास्ते मुंबई में की थी घुसपैठ :** शुरुआती जांच में पता चला है कि ये सभी आरोपी बांग्लादेश से अवैध तरीके से भारत में घुसे थे। वे सबसे पहले कोलकाता पहुंचे और फिर वहां से दिल्ली और गुजरात होते हुए मुंबई आए। मुंबई पहुंचने के बाद इन लोगों ने जाली तरीके से आधार कार्ड और दूसरे भारतीय दस्तावेज भी बनवा लिए थे।

**पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस :**पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इन लोगों के जाली दस्तावेज बनवाने में किसने मदद की। पुलिस उस पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रही है जो अवैध अप्रवासियों को भारत में बसाने और उनके फर्जी कागज तैयार करने में शामिल है। सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन सभी को वापस बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, शहर में अवैध रूप से रह रहे अन्य विदेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए अभियान जारी रहेगा। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि गिरोह के बाकी सदस्यों तक पहुंचा जा सके।

## वरमाला के दौरान दुल्हन की हत्या, आशिक ने मारी गोल,




**बक्सर, एजेंसी।** बक्सर में वरमाला के दौरान स्टेज पर दुल्हन को गोली मारी गई। उसके आशिक ने सरेआम स्टेज पर खड़ी दुल्हन के पेट में गोली मारी और वहां से भाग निकला। शादी में फायरिंग के बाद अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में दुल्हन को सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी गंभीर हालत देखते हुए बनारस रेफर कर दिया गया है। DSP गौरव पांडेय ने बताया कि परिवार ने कहा कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। जख्मी दुल्हन ने आरोपी प्रेमी का नाम लेकर कहा, 'दीनबुंध ने मुझे गोली मार दी।' घटना मुफस्सिल थाना इलाके के नगर चौसा पंचायत के मल्लाह टोला की है। परिवार का कहना है कि युवक उनकी बेटी से एकतरफा प्यार करता है। बेटी की शादी यूपी के बलिया में तय की थी।

## केरल- 5 लाख लोगों को वॉट्सएप पर चुनावी मैसेज मिला

### हाईकोर्ट बोला- ये निजता का गंभीर उल्लंघन; सीएम ऑफिस पर प्रशासनिक पोर्टल से डेटा लेने का आरोप

**कोच्चि, एजेंसी।** केरल में सरकारी कर्मियों, न्यायिक अधिकारियों और विभिन्न लाभार्थियों सहित करीब 5 लाख लोगों को वॉट्सएप पर चुनावी संदेश भेजकर केरल सरकार घिर गई है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को नाराजगी जताते हुए पूछा कि मुख्यमंत्री कार्यालय को इनके मोबाइल नंबर कैसे मिले। कोर्ट ने डेटा सोर्स की पुष्टि तक ऐसे संदेश भेजने पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने कहा कि इस पहल में गोपनीयता की कमी है। साथ ही, संदेह जताया कि कहीं वेतन और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए बने एसपीएआरके पोर्टल का डेटा गलत तरीके से मुख्यमंत्री कार्यालय तक तो नहीं पहुंचाया गया। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक डेटा का राजनीतिक प्रचार के लिए उपयोग अनुच्छेद-21 के तहत निजता के अधिकार और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023 का गंभीर उल्लंघन है। कोर्ट ने पूछा है कि डेटा प्रोसेसिंग का कानूनी आधार क्या है? हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए।



याचिका में आरोप है कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने गोपनीयता कानून का उल्लंघन कर विधानसभा चुनाव से पहले सीएम के फोटो वाले वॉट्सएप संदेश भेजे। इनमें 10% डीए बढ़ोतरी जैसे काम गिनाए गए थे।

## सरकार ने माना- प्रयागराज मामला चौंकाने वाला, सिंधिया बोले- निदेशक पर कार्रवाई होगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीएसएनएल के निदेशक विवेक बंजल के प्रस्तावित प्रयागराज दौरे वाला विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे अनुचित और अस्वीकार्य बताया। साथ ही यह भी कहा कि निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। दरअसल दौरे की तैयारी में करीब 50 अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपे जाने के निर्देश थे। निजी उपयोग की वस्तुओं तक की व्यवस्था के लिखित निर्देश थे। इसके बाद से ही ये पत्र वायरल हो गया। और मामले ने तूल पकड़ लिया।

### क्या बोले मंत्री सिंधिया?

सिंधिया ने साफ कहा कि स्थापित नियमों और प्रशासनिक परंपराओं का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निदेशक को सात दिन में जवाब देने को कहा गया है। जवाब मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यह 21वीं सदी है और इस तरह का व्यवहार चौंकाने वाला है। सरकार ने यह भी कहा कि संस्थागत अनुशासन और प्रोटोकॉल का पालन सर्वोपरि है।

**दौरे की तैयारी में क्या-क्या लिखा गया था?**कार्यालय आदेश के अनुसार विवेक बंजल 25-26 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज आने वाले थे। 19 फरवरी को जारी प्रोटोकॉल नोटिस में लगभग 50 अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग कार्य सौंपे गए। कार्यक्रम में स्वागत, संगम स्नान, नौका विहार और बड़े हनुमान मंदिर, अक्षयवट तथा पातालपुरी मंदिर के दर्शन शामिल थे। हर स्थल पर किस अधिकारी की क्या भूमिका होगी, यह लिखित में दर्ज था।

## बंद कमरे में नाना ने कपड़े बदलती नातिन को पकड़ा: दातर से मुंह-छाती, हाथ काटे



### ● जान बचाने बिना कपड़ों के भागी खून से लथपथ लड़की

**मोगा, एजेंसी।** मोगा में 60 साल के नाना ने 14 साल की नातिन को कमरे में कपड़े बदलते हुए पकड़ लिया। नाना पहले से ही अंदर छुपा हुआ था। उसने नातिन से जबरदस्ती करने की कोशिश की। लड़की की चिल्लाने की आवाज सुनकर मां दौड़ी आई तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

कमरे के भीतर नातिन के विरोध करने पर नाना ने दातर से उसे बुरी तरह से काट दिया। इसके बाद मां ने आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। वह दरवाजा खुलते ही जान बचाने के लिए खून से लथपथ नग्न हालत में ही जान बचाने के लिए बाहर दौड़ी।

मां ने दावा किया कि आरोपी उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकतें करता था। इसी वजह से उसने इस वारदात को अंजाम दिया है। इस मामले में पुलिस ने अभी तक केस दर्ज नहीं किया है।

### असम-बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों ने महिला का रेप किया :10 हजार ट्रांसफर कराए, 2 गिरफ्तार; एक आरोपी के परिवार ने पत्रकार पर हमला किया

**गुवाहाटी, एजेंसी।** असम के कछार जिले के सिलचर शहर के पास एक 28 साल की महिला का उसके बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों ने गैंगरेप किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में शिकायत 19 फरवरी को दर्ज कराई गई थी। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि रेप के बाद एक आरोपी ने महिला से 10 हजार रुपए उसके खाते में ट्रांसफर कराए। पीड़ित के घरवालों ने कहा कि वह सिलचर शहर से कुछ किलोमीटर दूर बाईपास रोड पर अपने बॉयफ्रेंड के साथ कार में थी, तभी एक SUV में कुछ लोग आए और उन पर हमला कर दिया।

## सरकार ने 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया

### ● अश्लील कंटेंट दिखाने पर एक्शन, 7 महीने पहले 25 प्लेटफॉर्म बैन हुए थे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (MIB) ने मंगलवार को 5 ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (OTT) को ब्लॉक कर दिया है। जिन प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई हुई, उनमें मूडएक्सवीआईपी, कोयल प्लेप्रो, डिजी मूवीप्लेक्स, फील और जुगनू शामिल हैं।

सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट दिखाया जा रहा था। यह कंटेंट आईटी एक्ट 2000, आईटी नियम 2021, आईपीसी की धारा 292 और




महिलाओं को गलत तरीक से दिखाने से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करता पाया गया।

यह पहली बार नहीं है जब सरकार ने OTT प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया है। पिछले साल जुलाई में Ullu-ALTT समेत 25 OTT प्लेटफॉर्म बैन किए गए थे। ALTT एप अप्रैल 2017 में फिल्म और टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर ने लॉन्च किया था। वहीं Ullu एप को IIT कानपुर से ग्रेजुएट विभु अग्रवाल ने 2018 में बनाया था।

इससे पहले मार्च 2024 में सरकार ने अश्लील कंटेंट को लेकर 18 OTT प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया था। साथ ही 19 वेबसाइट्स, 10 एप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल्स भी ब्लॉक कर दिए थे।

## भाजपा उत्तर बंगाल के लिए मिनी घोषणा पत्र बनाने पर कर रही विचार, आठ जिलें होगें शामिल

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लेकर सभी पार्टीयां लगातार तैयारियों में लगी हुई है। भाजपा चुनावी घोषणापत्र का खाका तैयार करने में छोटे-छोटे मुद्दों पर ध्यान दे रही है। पार्टी का कहना है कि पूरे राज्य भर के लिए एक विस्तृत घोषणापत्र लाया जाएगा। लेकिन उत्तर बंगाल के आठ जिलों के लिए एक अलग से मिनी घोषणापत्र लाया जाएगा। जिसमें वहां के खास मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

भाजपा राज्य समिति के सदस्य ने कहा पश्चिम बंगाल में कई बड़े मुद्दे है लेकिन कुछ इलाकों में कुछ खास मुद्दे भी है। उन्होंने कहा हमारी उद्देश्य छोटे-छोटे मुद्दों को हाईलाइट करना है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर बंगाल के आठ जिलों, यानी कूच बिहार, नॉर्थ दिनाजपुर, साउथ दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और मालदा के खास मुद्दों को कवर करने वाला एक अलग मिनी-मैनिफेस्टो लाने की कोशिश है।



राज्य समिति के सदस्य ने कहा हमेशा की तरह, पूरे राज्य के मुद्दों को कवर करने वाला मुख्य और विस्तृत घोषणापत्र जरूर होगा। लेकिन इस बार, उत्तर बंगाल के मुद्दों को कवर करने वाला एक मिनी-मैनिफेस्टो लाने की कोशिश की जाएगी।

भाजपा के चीफ व्हिप और उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी से विधायक शंकर घोष के मुताबिक, इलाके के लोगों की ज़रूरतों, मांगों और उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए उत्तर बंगाल के लिए एक अलग घोषणापत्र बनाने का प्लान बनाया जा रहा है।

## अरुणाचल की महिलाओं पर नस्लीय कमेंट करने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार

### ● आरोपी हर्ष ने कहा- मैं शर्मिंदा हूं; किरेन रिजिजू बोले- सख्त कार्रवाई करेंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और हर्ष सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को स्ष्ट/स्ञ्ञ्ष्ह्ल के तहत गिरफ्तार किया गया है।

इससे पहले मंगलवार को मुख्य आरोपी और महिला के पति हर्ष सिंह ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा कि हम निश्चित रूप से शर्मिंदा हैं। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं, ये सब कुछ हीट ऑफ द मूमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं।

वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



### रिजिजू बोले- नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ गलत व्यवहार का मामला गंभीरता से लेते हैं

रिजिजू ने कहा कि मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। अगर दिल्ली में नॉर्थईस्ट के किसी भी व्यक्ति के साथ कोई घटना होती है, तो हम तुरंत कार्रवाई करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं। हम सख्त कानूनी कार्रवाई करेंगे और सबक सिखाएंगे कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ बुरा बर्ताव नहीं होना चाहिए।

## सिक्किम में भारी बर्फबारी, त्सोमगो झील के पास 2700 से अधिक फंसे पर्यटकों को बचाया गया



**गंगटोक, एजेंसी।** सिक्किम में बर्फबारी हो रही है। इसी बीच पूर्वी सिक्किम में त्सोमगो झील के पास कई पर्यटक फंसे है। अधिकारियों ने बुधवार सुबह बताया कि भारी बर्फबारी के कारण फंसे 2,700 से अधिक पर्यटकों को बचा लिया गया है।

उन्होंने बताया कि शेराथांग और आसपास के इलाकों के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे 15वें मील और त्सोमगो झील के बीच 541 पर्यटक वाहन फंस गए। उन्होंने आगे बताया कि समन्वित प्रयासों के माध्यम से, 2,736 पर्यटकों को ले जा रहे सभी वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से निकाला गया। यह अभियान मंगलवार रात को समाप्त हुआ। पर्यटन विभाग ने पर्यटकों और टूर ऑपरेटरों को सलाह दी है कि वे मौसम संबंधी चेतावनियों का सख्ती से पालन करें। बर्फबारी की स्थिति में यात्रा करते समय यह सुनिश्चित करें कि वाहन उचित रूप से सुसज्जित हों, जिसमें अनिवार्य रूप से स्नो चेन भी शामिल हैं।

### एनसीआटी किताब में 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर पर सीजेआई का एक्शन

## कहा- बदनाम करने की इजाजत नहीं; यह सोचा-समझा कदम लग रहा, केस खुद देखूंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने NCERT की 8वीं कक्षा की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का चैप्टर शामिल किए जाने पर नाराजगी जताई है। CJI ने कहा- किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

बुधवार को CJI सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में यह मामला सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने उठाया था।

**इस पर चीफ जस्टिस ने कहा-** मुझे इसकी पूरी जानकारी है। यह पूरे ज्यूडीशियल इंस्टीट्यूशन के लिए चिंता की बात है। यह सोचा-समझा कदम लग रहा है। मैं किसी को भी, चाहे वे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हों, इंस्टीट्यूशन को बदनाम नहीं करने दूंगा। मैं इस मामले पर खुद नोटिस ले रहा हूं।

**NCERT की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में ज्यूडीशियरी में करप्शन पर चैप्टर:**NCERT ने 23 फरवरी को जारी नई टेक्स्टबुक 'एक्सप्लोरिंग सोसायटीः इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट 2' में 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' टॉपिक के अंदर ज्यूडिशियरी में करप्शन का टॉपिक जोड़ा है। इसका पहला पार्ट जुलाई 2025 में रिलीज किया गया था। ये किताब एकेडमिक सेशन 2026-27 से स्कूलों में पढ़ाई जानी है। सोशल साइंस की इस किताब में लिखा गया है- Justice delayed is justice denied', यानी इंसाफ में देरी नाइंसाफी की तरह है। यहां सुप्रीम कोर्ट में 81 हजार, हाईकोर्ट्स में 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है।

**सीनियर वकील बोले- किताब में ब्यूरोक्रेसी, पॉलिटिक्स पर एक शब्द नहीं:** सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक एम सिंघवी ने CJI की बेंच के सामने कहा- बच्चों को ज्यूडिशियरी में करप्शन का सब्जेक्ट ऐसे पढ़ाया जा रहा है जैसे यह कहीं और, किसी और इंस्टीट्यूशन में है ही नहीं। यह चिंता का विषय है। हम यहां बार काउंसिल की चिंता लेकर आए हैं। दोनों वकीलों ने कहा, 'किताब में ब्यूरोक्रेसी, पॉलिटिक्स वगैरह को छोड़ दिया है। दूसरे सेक्टर्स पर एक शब्द भी नहीं।

# अतिक्रमण और अव्यवस्था के बीच आतंकी हमले की धमकी ने बढ़ाई चांदनी चौक की चिंता

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अतिक्रमण और अव्यवस्था के बीच आतंकी हमले की धमकी ने चांदनी चौक के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लश्कर -ए- तैयबा ने लालकिला के साथ ही चांदनी चौक स्थित लाल जैन मंदिर व गौरीशंकर मंदिर पर आतंकी धमाका करने की धमकी दी है। इसके पूर्व पिछले वर्ष 10 नवंबर को लाल किला के सामने आतंकी हमला हुआ था, जिसमें भागीरथ पैलेस के एक दुकानदार समेत कुल 15 लोगों की जान गई थी। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, तब भी लालकिला के सामने नेता जी सुभाष मार्ग पर रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण के साथ अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग थी, जिसके चलते आतंकी विस्फोट से अधिक जान-माल की हानि हुई। वहीं स्थिति कमोबेश अब भी है। जबकि, धमाके के बाद सुरक्षा मुल्यांकन में अतिक्रमण को गंभीर मानते हुए दिल्ली पुलिस तथा एमसीडी द्वारा कार्रवाई की रणनीति बनी थी।

पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन की धमकी मिलने के बाद से भी चांदनी चौक में अतिक्रमण की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं है। अलबत्ता, गौरी शंकर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था जरूर बढ़ा दी गई है। इस संबंध में चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने एक्स पोस्ट में गृह मंत्रालय, पुलिस आयुक्त से आग्रह करते हुए कहा कि पिछली घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया गया है। यह काफी चिंता की बात और मासूम लोगों की जान से खेलने वाला है। उन्होंने अतिक्रमण को तत्काल हटाने की अपील करते हुए एक्स पोस्ट में साथ में अतिक्रमण के कई वीडियो भी साझा किए।

**दिल्ली पुलिस के आश्वासन के बाद मंदिर से हटाए निजी सुरक्षा गार्ड :** इस बीच, गौरी शंकर मंदिर में आतंकी हमले की चेतावनी के बाद शनिवार से लगाई गई निजी सुरक्षा व्यवस्था मंगलवार से हटा दी गई है। मंदिर में आतंकी धमाके की धमकी है। उसके बाद से 15 निजी सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए थे। उसमें से कुछ हथियारबंद थे। मंदिर के प्रबंधक सुभाष गोयल ने बताया कि दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि उसके द्वारा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। अब मंदिर में भक्तों का प्रवेश मेटल डिटेक्टर गेट से किया जा रहा है।

**अतिक्रमण से पैदल चलना भी मुश्किल :** चांदनी चौक मुख्य मार्ग पर लाल जैन मंदिर से फतेहपुरी मस्जिद तक अतिक्रमण से बुरा हाल है। सैकड़ों की संख्या में रेहड़ी-पटरी वाले फुटपाथ, मुख्य मार्ग से लेकर सेंट्रल वर्ज तक पर बैठे हुए हैं। यह सड़क मोटर वाहन रहित है। तब भी अतिक्रमण के चलते पैदल आने जाने में भी पर्यटकों तथा ग्राहकों को परेशानी हो रही है। इसी तरह, जहां पिछली बार धमाका हुआ था। लालकिला की ओर से लेकर लालकिला मेट्रो स्टेशन गेट नंबर-4 के सामने सुभाष मार्ग पर अवैध रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण के साथ अवैध पार्किंग हो रही है, जिसके चलते दोनों ओर मात्र एक से दो लेन वाहनों को गुजरने के लिए मिल रही है। यहां के दुकानदारों के अनुसार, ऐसे में कोई विस्फोट काफी भयावह हो सकती है।

**सफाई व्यवस्था भी बदहाल :** यह इलाका सफाई व्यवस्था की समस्याओं से भी जूझ रहा है। पिछले वर्ष दिसंबर में निजी कंपनी के एक महीने के बाद काम छोड़ने से एमसीडी पर बोझ बढ़ गया, जिससे कूड़े के ढेर और फुटपाथों पर गंदगी की परत जम गई है। मामले के जानकारों के अनुसार, सफाई का स्तर गिरकर मात्र 15-20 प्रतिशत रह गया है, जबकि हाईकोर्ट ने निगरानी कमिटी गठित की है। स्थिति यह कि 1.3 किमी का मुख्य मार्ग पर जगह जगह कूड़ा इकट्ठा है।

## दशकों बाद पुरानी दिल्ली को लटकते तारों से मिलेगी मुक्ति, भूमिगत परियोजना का होगा शुभारंभ



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दशकों की मांग और प्रयासों के बाद आखिरकार पुरानी दिल्ली में लटकते तारों को भूमिगत करने की परियोजना को गति मिलने जा रही है। शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम (एसआरडीसी) की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा बृहस्पतिवार को पुरानी दिल्ली की सड़कों, कूचों व कटरों में तारों को भूमिगत करने की परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा। इसके लिए कुछ दिन पूर्व राज्य सरकार ने 159.47 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। सूत्रों के अनुसार इस मौके पर ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, सांसद प्रवीन खंडेलवाल और पार्षद सुमन गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहेंगे। विशेष बात कि द्वितीय चरण में कुल 26 सड़कों, कटरों व कूचों में लटकते तारों को भूमिगत किया जाएगा। बिजली वितरण कंपनियों को तारों को भूमिगत करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। चरणबद्ध तरीके से काम होगा।

चांदनी चौक का सांसद बनने के बाद प्रवीन खंडेलवाल ने इस समस्या के समाधान को लेकर व्यापारियों और अधिकारियों के साथ समग्र चर्चा कर रिपोर्ट दिल्ली सरकार को सौंपी थी। मौजूदा समय में चांदनी चौक, नई सड़क, किनारी बाजार, दरीबा, कूचा महाजनी, भागीरथ पैलेस, चावड़ी बाजार, लाल कुंआ, मटिया महल समेत कमोबेश पुरानी दिल्ली की हर सड़क और गलियों में लटकते बिजली के तार मिल जाएंगे। कहीं-कहीं यह खतरनाक स्थिति में काफी नीचे तक चले आए हैं। तारों के इस मकड़जाल से अक्सर अगलगी की घटनाएं हुई। इसे लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने कई बार चिंता जताई तथा आदेश दिए थे। सरकारी सूत्रों के अनुसार, हवेली धर्मपुरा, कौड़िया पुल, मस्जिद खजूर समेत सभी मार्गों पर प्राथमिकता के स्तर पर तारों को भूमिगत किया जाएगा। समें बिजली के तारों के साथ ही इंटरनेट, केबल समेत अन्य तारों के लिए भी अलग से डक्ट डाले जाएंगे। वैसे, इसके पूर्व एसआरडीसी की प्रथम चरण की परियोजना के तहत चांदनी चौक मुख्य मार्ग पर तारों को भूमिगत किया गया है, लेकिन गलियों और अन्य इलाकों का मामला अटका रहा।

**अब तक के प्रमुख घटनाक्रम व प्रयास :** -2011= एसआरडीसी परियोजना के तहत चांदनी चौक में तार भूमिगत करने का काम शुरू, लेकिन पूरा नहीं हुआ। -2015= एसआरडीसी परियोजना के तहत चांदनी चौक मुख्य मार्ग पर डक्ट डालने का काम शुरू हुआ, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। -2017= दिल्ली हाईकोर्ट ने चांदनी चौक को टाइम बम कहा, तारों के जाल पर चिंता जताई।

## क्षतिपूर्ति शुल्क के स्थानांतरण पर एनजीटी ने डीपीसीसी पर लगाया 50 हजार रुपये का जुर्माना




**नईदिल्ली, एजेंसी।** वन एवं वन्यजीव विभाग को क्षतिपूर्ति शुल्क स्थानांतरित करने में बहुत ज्यादा देरी के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि डीपीसीसी के बेबुनियाद बहाने बनाकर एनजीटी के आदेशों का पालन नहीं किया और क्षतिपूर्ति राशि स्थानांतरित करने में देरी का कारण स्वीकार्य नहीं हैं।

एनजीटी ने रिकार्ड पर लिया कि क्षतिपूर्ति शुल्क के स्थानांतरण में देरी उसके कार्यालय की शिफ्टिंग के कारण हुई थी। एनजीटी ने कहा कि शुल्क के स्थानांतरण में एक साल से अधिक की देरी को लेकर बताया गया कारण पूरी तरह से गलत है।

एनजीटी ने कहा कि ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करना एक अपराध है और डीपीसीसी के चेयरमैन और सदस्य सचिव पर भी ऐसे उल्लंघन के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। एनजीटी ने कहा कि हालांकि, ट्रिब्यूनल मुकदमा चलाने का निर्देश देना उचित नहीं समझता। हालांकि, इसके लिए डीपीसीसी पर जुर्माना लगाना उचित होगा।

नवंबर 2023 में एनजीटी ने डीपीसीसी को निलोठी गांव में चार गैर-कानूनी पत्थर तोड़ने वाली यूनिट से पर्यावरण क्षतिपूर्ति के तौर पर इकट्ठा किए गए आठ लाख रुपये वन एवं वन्यजीव विभाग को जारी करने का निर्देश दिया था।

साथ ही विभाग को निर्देश दिया गया था कि उक्त धनराशि का उपयोग गांव में पेड़ लगाने के कामों के लिए किया जाएगा।

इसके साथ ही एनजीटी ने डीपीसीसी पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया और कहा कि यह राशि एनजीटी आने वाले जनता के लिए सुविधाओं में उपयोग की जाएगी।

साथ ही वन एवं वन्यजीव विभाग को निर्देश दिया कि आठ लाख रुपये का उपयोग वृक्षारोपण के लिए करें और छह महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

## 5 लाख घरों की बत्ती गुल, हजारों फ्लाइट्स कैंसिल

### 153 साल में पहली बार नहीं छपा अखबार... ए में बर्फीले तूफान का कहर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में चलीं भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी की वजह से 5 लाख घरों की बिजली चली गई, 11 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुई और तो और 153 साल में पहली बार ऐसा हुआ कि जब अखबार नहीं छपा।



अमेरिका में बर्फबारी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और आठ राज्यों में एक फुट से ज्यादा बर्फ गिरी। अब इसका असर कई दिनों तक रहने वाला है। मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में ड्राइवरों को सड़कों से दूर रहने का आदेश दिया गया है, क्योंकि राज्य के साउथ कोस्ट में बर्फबारी की स्थिति के बाद बर्फ हटाने वाली टीमों को काम पूरा करने में मुश्किल हो रही है।

**बर्फबारी का टूटा रिकॉर्ड :** मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली ने कहा, हमें सड़कों पर छोड़ी गई और फंसी हुई कारों की रिपोर्ट मिली है और टो ट्रकों को उन तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है।उन्होंने ड्राइवरों से वहीं रुकने की अपील की। मौसम विभाग के मुताबिक, मैनहट्टन के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार तक लगभग 20 इंच (50 सेंटीमीटर) बर्फ गिरी। लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप में 22 इंच से ज्यादा बर्फ गिरी। रोड आइलैंड ने 32.8 इंच बर्फबारी के साथ अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया। पुराना रिकॉर्ड 6-7 फरवरी को 1978 के बर्फीले तूफान के दौरान बना था, जब 28.6 इंच बर्फ गिरी थी।

**धीरे-धीरे कम हो रही बर्फबारी :** नेशनल वेदर सर्विस के मौसम वैज्ञानिक जिम कोनोली ने कहा कि सोमवार दोपहर तक पूरे न्यूयॉर्क में बर्फ कम हो रही थी और हालात सुधर रहे थे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने वह निर्देश हटा दिया है जिसके तहत ज्यादातर ट्रैफिक के लिए सड़कें, हाईवे और पुल बंद कर दिए गए थे। शहर के स्कूल मंगलवार को पढ़ाई के लिए खुलेंगे। हालांकि, तूफान ने नॉर्थईस्ट और उससे आगे ट्रांसपोर्टेशन में रुकावट डाली। एमट्रैक ने सोमवार रात तक न्यूयॉर्क और बोस्टन के बीच सर्विस रोक दी और पूरे देश में कैंसलेशन बढ़ गए।

**बिजली गुल और फ्लाइट्स कैंसिल:** एयरलाइन ट्रैकिंग सर्विस फ्लाइटअवेयर के अनुसार, न्यूयॉर्क टाइम के हिसाब से शाम 5=45 बजे तक रविवार से मंगलवार तक तय 11,055 यूएस फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। भारी बर्फबारी से बिजली की लाइनें खराब हो गई हैं और वर्जीनिया से मैसाचुसेट्स तक बिजली गुल हो गई है।

## सूडानी अर्द्ध सैनिक बलों ने दारफुर में किया हमला, 28 लोगों की मौत, कई घायल



**सूडान, एजेंसी।** सूडान के उत्तरी दारफुर प्रांत में जारी हिंसा के बीच अर्धसैनिक बलों के एक हमले में कम से कम 28 लोगों की जान चली गई। चिकित्सकों के संगठन ने मंगलवार को इस घटना की पुष्टि की और बताया कि हमले में दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। संगठन के अनुसार, सोमवार को अर्धसैनिक समूह (आरएसएफ) ने मिस्तरिहा शहर में व्यापक हिंसा और तोड़फोड़ की। यह इलाका अरब जनजातीय नेता का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में कम से कम 39 लोग घायल हुए, जिनमें 10 महिलाएं शामिल हैं। स्थानीय स्रोतों के मुताबिक, शहर में गोलीबारी और लूटपाट की घटनाओं से दहशत का माहौल है।

## युद्ध के चार साल पूरे होने पर मैक्रों का रूस को सीधा संदेश- यूक्रेन के साथ थे, हैं और रहेंगे

**यूक्रेन, एजेंसी।** रूस-यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने पर फ्रांस के राष्ट्रपति Emmanuel Macron ने यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा, हम यूक्रेन के साथ हैं और रहेंगे।उन्होंने इस संघर्ष को रूस द्वारा चुना गया आक्रामक युद्धकरार दिया। मैक्रों ने कहा कि चार वर्षों में लगभग 15,000 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हुई है। उन्होंने हिंसा, बलात्कार, यातना, युद्ध अपराध और हजारों बच्चों के जबरन निर्वासन की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि चार साल बाद भी यूक्रेन डटा हुआ है और रूस अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया।

मैक्रों ने दावा किया कि नवंबर 2022 के बाद से रूस केवल 1% अतिरिक्त यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा कर पाया है।उन्होंने कहा कि 12 लाख से अधिक रूसी सैनिक मारे गए या घायल हुए। रूस को सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक तीनों मोर्चों पर विफलता मिली। इस युद्ध ने ह्रञ्जह्र को और मजबूत किया है।



रूसी राष्ट्रपति के खिलाफ प्रतिबंध जारी रखने और रूस की शैडो फ्लीटपर कार्रवाई की बात भी दोहराई गई। मैक्रों के अनुसार यूरोप ने अब तक 170 अरब यूरो की वित्तीय, सैन्य और मानवीय सहायता दी है। दिसंबर में यूरोपीय परिषद ने 90 अरब यूरो के ऋण पैकेज को मंजूरी दी, जिससे यूक्रेन को अगले दो वर्षों के लिए स्थिर वित्तीय सहयोग मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हथियारों की आपूर्ति, प्रशिक्षण, वायु रक्षा और एंटी-ड्रोन क्षमता को और मजबूत किया जाएगा। मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन हमारे महाद्वीप की पहली रक्षा पंक्ति है। हमारी सुरक्षा यूक्रेन में तय हो रही है। उन्होंने कोएलिशन ऑफ द विलिंगके तहत सहयोग जारी रखने और अमेरिका के साथ सुरक्षा गारंटी पर तालमेल बढ़ाने की बात कही। मैक्रों ने यूक्रेन की जनता के नाम संदेश में कहा, हम आपके बारे में गहरी भावना के साथ सोचते हैं। आपने जो सहा है, उसे हम नहीं भूलेंगे।युद्ध के पांचवें वर्ष में प्रवेश के साथ यह साफ है कि यूरोप और फ्रांस यूक्रेन के समर्थन में पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। 'सुपरविंड' अवस्था की संभावना

एक अन्य संभावना यह है कि यह तारा महाविस्फोट से पहले की 'तीव्र पवन' (सुपरविंड) अवस्था में प्रवेश कर चुका है, जिसमें आंतरिक कंपन के कारण बाहरी परतें तेज गति से अंतरिक्ष में फेंकी जाती हैं।इस प्रक्रिया में तारे की बाहरी परतें फैलती हैं, जबकि उसका केंद्र सिकुड़ता जाता है जो अंततः सुपरनोवा विस्फोट की ओर ले जा सकता है। क्यों महत्वपूर्ण यह खोज ?

आमतौर पर तारे करोड़ों या अरबों वर्षों तक स्थिर रहते हैं। किसी बाहरी आकाशगंगा में इतने स्पष्ट और तेज बदलाव का दर्ज होना अत्यंत दुर्लभ है। यदि आने वाले वर्षों में WOH G64 में महाविस्फोट होता है, तो यह खगोलीय दृष्टि से अद्भुत दृश्य होगा और वैज्ञानिकों को तारों के जीवन चक्र तथा सुपरनोवा प्रक्रिया को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी देगा।

## पश्चिमी दिल्ली में क्रिकेट के विवाद में 15 साल के किशोर की हत्या, 3 नाबालिगों ने बैट से पीट-पीटकर मार डाला

**नईदिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। अब पश्चिमी जिले के तिलक नगर में नाबालिगों ने एक साथी की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम वुडलैंड पार्क में क्रिकेट खेलते समय 15 वर्षीय किशोर और 12 वर्षीय बच्चे के बीच पहले बल्लेबाजी करने को लेकर कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर दोनों में हाथपाई शुरू हो गई तो वहां मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग करा दिया। इसके बाद दोनों अपने-अपने घर लौट गए। आरोप है कि बच्चे ने इस झगड़े की जानकारी घर पर दे दी। इसके बाद वह अपने दो चचेरे नाबालिग भाइयों (13 और 17 वर्षीय) के साथ नाबालिग की तलाश में निकल पड़ा। शाम को तीनों ने किशोर को घेर लिया और बैट से उसके सिर व गर्दन पर कई वार किए। इससे किशोर बेसुध हो गया, लेकिन बच्चा और उसके चचेरे भाई उस पर बैट से हमला करते रहे। इसी बीच लोगों को वहां आता देख तीनों भाग गए। पुलिस उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाने लगी, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक चार भाइयों में से सबसे छोटा था। उसके पिता चाय की दुकान चलाते हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा है। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डी. शरद भास्कर ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम के प्रविधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। मामला दर्ज कर बच्चे और उसके नाबालिग भाइयों को पकड़ लिया गया है। राजधानी में नाबालिगों द्वारा अंजाम दिए गए अपराधों में किसी प्रकार की कमी दर्ज नहीं की जा रही है। इन 55 दिनों में ही पांच बड़ी घटनाओं में नाबालिगों ने पांच लोगों की जान ले ली है, जिसमें एक द्वारका हादसा भी है। इसमें नाबालिग स्कार्पियो चालक ने रील बनाते हुए लापरवाही से तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने के दौरान एक बाइक सवार को टक्कर मार दी थी, जिसके बाइक सवार युवक साहिल की मौके पर ही मौत हो गई थी। नजफगढ़ में चोरी के इरादे से घुसे दो किशोरों ने विरोध करने पर एक बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या कर दी थी। ख्याला में दो नाबालिगों ने पुरानी रंजिश में एक किशोर की गर्दन पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। शाहदरा में एक 16 वर्षीय नाबालिग ने अपने ही पड़ोसी की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी। विवाद महज 500 के लेनदेन को लेकर हुआ था।

## पुलिस की अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद में मेरठ जोन की तृतीय अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू हुई, जो 26 फरवरी तक चलेगी। पहले दिन, 79 और 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ और सहारनपुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिरिक्त सीपी राज करन नैय्यर ने किया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

**पुलिस की अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू :** पुलिस लाइन में 26 फरवरी तक चलेंगी भारोत्तोलन, योग और पावर लिफ्टिंग स्पर्धाएं -मेरठ जोन की प्रतियोगिता के 79 व 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ व सहारनपुर के खिलाड़ियों ने बाजी मारी गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। मेरठ जोन की तृतीय अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ को रिजर्व पुलिस लाइन में किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता 26 फरवरी तक चलेगी, जिसमें भारोत्तोलन, योग एवं पावर लिफ्टिंग की विभिन्न भार वर्गों की स्पर्धाएं होंगी। मंगलवार को पहले दिन 79 व 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ व सहारनपुर के खिलाड़ियों ने बाजी मारी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे एडिशनल सीपी कानून व्यवस्था एवं यातायात राज करन नैय्यर ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का संदेश देते हुए कहा कि खेल पुलिस बल में शारीरिक दक्षता के साथ-साथ मानसिक संतुलन और टीम भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। उद्घाटन अवसर पर डीसीपी ट्रांस हिंडन एवं लाइंस निमिष पाटील, एडीसीपी क्राइम व लाइंस पीयूष कुमार सिंह तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मेरठ जोन के जनपद हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर के साथ ही कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर एवं कमिश्नरेट गाजियाबाद की टीमों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। विभिन्न भार वर्गों में कड़े मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। पावर लिफ्टिंग में दमखम दिखाया मंगलवार को आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 79 किलोग्राम भार वर्ग में जनपद हापुड़ के मानवेंद्र शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बागपत के अमित कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार 88 किलोग्राम भार वर्ग में जनपद सहारनपुर के आकाश शर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया तथा हापुड़ के जयबीर सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी टीम का मान बढ़ाया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों का कहना है कि आगामी दो दिनों में शेष भार वर्गों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया जाएगा।

## नमो भारत में आनंद विहार-गाजियाबाद स्टेशन से अधिक यात्री सफर कर रहे

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद में नमो भारत ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रोजाना औसतन 60 हजार यात्री सफर कर रहे थे, लेकिन हाल ही में यह संख्या एक लाख तक पहुँच गई। आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। आने वाले दिनों में और इजाफा होने का अनुमान है। अन्य दिनों में रोजाना करीब 60 हजार लोग एक दिन में यात्रा कर रहे थे -नमो भारत ट्रेन में आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या में और इजाफा होने का अनुमान गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। नमो भारत ट्रेन में आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। कॉरिडोर पर एक लाख से अधिक यात्रियों ने एक दिन में सफर कर रिकॉर्ड बनाया है। नमो भारत ट्रेन में अभी तक रोजाना औसत 60 हजार यात्री सफर कर रहे थे। इस तरह लगभग 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 23 फरवरी को सोमवार होने के कारण नमो भारत ट्रेन में यात्रियों की ज्यादा भीड़ रही। मेरठ से आने वाली सभी ट्रेन में यात्रियों की भीड़ थी। एनसआरटीसी के अनुसार, कॉरिडोर के तीन स्टेशन आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे ज्यादा यात्री सफर कर रहे हैं। आनंद विहार स्टेशन के पास छह परिवहन साधन हैं। इनमें आनंद विहार रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक, ब्लू लाइन, स्वामी विवेकानंद आईएसबीटी, कौशांबी स्थित यूपीएसआरटीसी बस स्टैंड और सिटी बस स्टैंड के साथ कनेक्टिविटी है। इसी तरह गाजियाबाद स्टेशन पर भी यात्रियों की काफी अधिक संख्या रही है। यह स्टेशन दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन के शहीद स्थल स्टेशन से फुट ओवरब्रिज से जोड़ा है। सराय काले खां, शताब्दी नगर और मोदीपुरम स्टेशन से भी काफी संख्या में यात्री सफर कर रहे हैं। दिल्ली का न्यू अशोक नगर स्टेशन जो पहले से ही परिचालित है। वहां भी यात्री बड़ी संख्या में आ रहे हैं। आने वाले दिनों में नमो भारत ट्रेन में यात्रियों की संख्या में और इजाफा होने का अनुमान है। बता दें कि 22 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू अशोक नगर से सराय काले खां पांच किलोमीटर और मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 21 किलोमीटर खंड का उद्घाटन किया था। इसके साथ ही सराय काले खां से मोदीपुरम तक 15 स्टेशनों के साथ पूरे कॉरिडोर ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया है।

## धनबाद एक्सप्रेस शुभारंभ- आवागमन में सुविधा, विकास को गति

# शासन की पहल पर क्षेत्र में हर्ष, ब्यौहारी, मड़वास एवं बरगवा में नई ट्रेन का स्वागत

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** धनबाद एक्सप्रेस रेल सेवा के शुभारंभ के उपलक्ष्य में ब्यौहारी, मड़वास एवं बरगवा रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षेत्र में नई रेल सेवा प्रारंभ होने पर हर्ष का वातावरण देखा गया तथा शासन की इस पहल का नागरिकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा भी उपस्थित रहे। सांसद द्वारा नई रेल सेवा से भोपाल से सिंगरौली तक यात्रा कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि इस रेल सेवा के प्रारंभ होने से सिंगरौली एवं आसपास के क्षेत्रों को भोपाल के लिए नियमित एवं सुलभ रेल संपर्क उपलब्ध हुआ है। इससे विद्यार्थियों, श्रमिकों, व्यापारियों एवं आमजन को आवागमन में सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह रेल सेवा लंबे समय से क्षेत्र की आवश्यकता रही है जिसके पूर्ण होने से सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश की राजधानी से सीधा रेल संपर्क स्थापित होने से प्रशासनिक कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार में सहूलियत होगी। यह सेवा क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी स्वागत कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा नई रेल सेवा प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। सांसद द्वारा भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई एवं नागरिकों से जनसमस्याओं के संबंध में चर्चा कर आवश्यक पहल किए जाने का आश्वासन दिया गया। उन्होंने क्षेत्र के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।

## कुसमी में ब्राह्मण समाज का प्रदर्शन प्रशासन सख्त :अस्थायी अतिक्रमण हटाया

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कुसमी में ब्राह्मण समाज ने तहसील कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया सैकड़ों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने पुजारी हत्या प्रकरण से जुड़े मुद्दों पर कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की आंदोलनकारियों का आरोप था कि प्रशासन अतिक्रमण और अन्य पहलुओं पर अपेक्षित सख्ती नहीं दिखा रहा है प्रदर्शन के बाद प्रशासन हरकत में आया। बुधवार को तहसीलदार कुसमी के नेतृत्व में राजस्व और पंचायत अमले ने मौके पर पहुंचकर अस्थायी अतिक्रमण हटाया अधिकारियों की निगरानी में भूमि अभिलेखों के आधार पर चिन्हित अतिक्रमण को हटाया गया एक गोमटी को हटाकर ग्राम पंचायत की अभिरक्षा में सौंपा गया उपखंड अधिकारी कुसमी विकास आनंद ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी व्यक्ति/परिवार ने एक आदिवासी की भूमि पर अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण किया था अस्थायी अतिक्रमण बुधवार को हटा दिया गया स्थायी निर्माण के संबंध में मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 250 के तहत प्रकरण दर्ज कर अनावेदकों को नोटिस जारी किए गए हैं अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि स्थायी अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार सुनवाई के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भूमि अधिकारों के संरक्षण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त रुख जारी रहेगा।

## कुसमी थाना प्रकरण, गिरफ्तारी के बाद कर्मचारी सेवा से पृथक

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कुसमी थाना क्षेत्र में दर्ज आपराधिक प्रकरण में गिरफ्तारी के बाद ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एक स्थायीकर्मी को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक कर दिया गया है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सी.एल. साकेत द्वारा विधिवत आदेश जारी किया गया है जारी आदेश के अनुसार थाना कुसमी के अपराध क्रमांक 29/2026 में धारा 103(1) बी.एन.एस. के अंतर्गत आरोपित कामता प्रसाद केवट, स्थायीकर्मी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग मझौली के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है संबंधित कर्मचारी को 16 फरवरी 2026 को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय के निर्देशानुसार उसे न्यायिक रिमांड पर जिला जेल सीधी भेजा गया है जहां वह वर्तमान में निरुद्ध है विभागीय स्तर पर प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 10 के तहत कार्रवाई की गई है। उक्त नियम के अंतर्गत शासकीय सेवक के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण में गिरफ्तारी की स्थिति में सेवा से पृथक्करण/निलंबन संबंधी प्रावधान लागू किए जाते हैं। इसी के तहत संबंधित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया गया विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शासकीय सेवा में अनुशासन आचरण एवं जवाबदेही सर्वोपरि है। किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध गंभीर आपराधिक आरोप सिद्ध होने अथवा न्यायिक अभिरक्षा में रहने की स्थिति में नियमों के अनुरूप आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाती है।

## मऊगंज में गोकशी का सनसनीखेज खुलासा

## बंद कमरे में टुकड़ों में मिला गोवंश, पुलिस ने दबोचा

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** मध्यप्रदेश के मऊगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत घूरेहटा वार्ड नंबर-12 में गोकशी के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा होने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई में एक बंद कमरे से गोवंश के कटे हुए टुकड़े बरामद किए गए हैं। मौके से भारी मात्रा में मांस और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले धारदार हथियार भी जब्त किए गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहम्मद शरीफ को गिरफ्तार कर लिया है जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वार्ड-12 के एक मकान में अवैध रूप से गोवंश की हत्या कर मांस तैयार किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संदीप भारतीय के नेतृत्व में टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस की मौजूदगी भांपते ही आरोपी ने कमरे में ताला लगाकर भागने की कोशिश की लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने उसे धर दबोचा जब पुलिस ने बंद कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो दृश्य बेहद भयावह था। कमरे के भीतर गोवंश को कई टुकड़ों में काटकर अलग-अलग हिस्सों में रखा गया था। खून के धब्बे और मांस के ढेर ने पूरे घटनास्थल को दहला दिया। मौके से गड़ासा सहित अन्य धारदार हथियार बरामद किए गए जिनका इस्तेमाल हत्या और मांस काटने में किया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी मांस को बेचने की तैयारी में था और कुछ हिस्सा अपने उपयोग के लिए भी रखा गया था। पुलिस को आशंका है कि यह कार्य अकेले संभव नहीं इसलिए एक संभावित नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस अवैध गतिविधि में अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(आई) तथा मध्य प्रदेश गोवंश प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 5/9 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जब्त मांस को परीक्षण के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया है ताकि वैज्ञानिक जांच के आधार पर पुष्टि की जा सके। थाना प्रभारी संदीप भारतीय ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई की। आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया गया है। जब्त सामग्री को जांच हेतु भेजा गया है और मामले की गहन जांच जारी है। यदि किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी घटना के बाद घूरेहटा वार्ड में लोगों की भीड़ जमा हो गई स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की वहीं इस तरह की घटनाओं पर कड़ी निगरानी और सख्त दंड की मांग भी उठाई फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि मांस की सप्लाई कहां और किन लोगों तक की जानी थी। मऊगंज में इस कार्रवाई के बाद अवैध गोकशी के खिलाफ पुलिस ने सख्त संदेश दिया है कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

## कलेक्ट्रेट गेट पर सैकड़ों लोगों का प्रदर्शन, मांगों की अनदेखी पर बीएमसी महामंत्री ने दी चेतावनी

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** कलेक्ट्रेट गेट के सामने 100 से ज्यादा लोगों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। दिन में हुए इस शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे काफी समय से अपनी शिकायतों को लेकर विभागों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। प्रशासन की इसी लापरवाही और उपेक्षा से नाराज होकर उन्हें आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ा। बीएमसी के महामंत्री श्रीधर दुबे ने कहा कि प्रशासन मजदूरों और आम आदमी की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द कोई फैसला नहीं लिया गया, तो इस आंदोलन को और भी बड़ा रूप दिया जाएगा प्रदर्शन की वजह से कलेक्ट्रेट गेट पर कुछ देर गहमागहमी बनी रही, जिसे वहां मौजूद पुलिस बल ने संभाला बाद में प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन प्रशासन को सौंपा अधिकारियों की ओर से आश्वासन दिया गया है कि मामले की जांच कर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

## हेलीकॉप्टर में खराबी से राज्यपाल का दौरा रद्द, पंडित शंभूनाथ शुक्ल यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह में शामिल होना था

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** पंडित शंभूनाथ शुक्ल यूनिवर्सिटी का पांचवां दीक्षांत समारोह नवलपुर कैंपस में मनाया गया राज्यपाल मंगुभाई पटेल को इस प्रोग्राम में पहुंचना था लेकिन उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिस वजह से वे नहीं आ पाए। उनकी गैरमौजूदगी में कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली राज्यपाल के न आ पाने की वजह से कुछ देर के लिए तो वहां हड़कंप मचा। इसके बाद कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने ही प्रोग्राम में राज्यपाल का संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने यूनिवर्सिटी की तरक्की के बारे में बताया और छात्रों को समझाया कि पढ़ाई सिर्फ नौकरी के लिए नहीं बल्कि देश सेवा के लिए भी जरूरी है। समारोह के मुख्य मेहमान रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल अनूप बनर्जी ने आज के दौर में पढ़ाई के महत्व को बताया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें।

**70 होनहारों को मिला गोल्ड मेडल, हजारों को बांटी डिग्रियां:** प्रोग्राम के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले 70 छात्र-छात्राओं को 'पंडित शंभूनाथ शुक्ल गोल्ड मेडल' पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स के हजारों छात्रों को उनकी डिग्रियां सौंपी गईं राज्यपाल के दौरे को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के इंतजाम किए थे, लेकिन आखिरी वक्त पर हेलीकॉप्टर की खराबी ने उन्हें रोक दिया। इसके बावजूद यूनिवर्सिटी ने पूरे मान-सम्मान के साथ कार्यक्रम पूरा किया।

## विन्ध्य साहित्य के प्रकाश स्तम्भ डॉ. चंद्र का 'कलम परिवार' द्वारा सार्वजनिक सम्मान

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** शिक्षा महाविद्यालय सभागार में बघेली साहित्य मंच के तत्वाधान में आयोजित गरिमामय समारोह में विन्ध्य साहित्य जगत के प्रकाश स्तंभ, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. चन्द्रिका प्रसाद चंद्र का सार्वजनिक सम्मान किया गया। अवसर था उनकी नवीन कृति 'डायरी की कवितायें' के लोकार्पण का जिसमें साहित्य प्रेमियों एवं रचनाकारों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विन्ध्य काव्य साहित्य परिषद 'कलम परिवार' के पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से डॉ. चंद्र का शाल, श्रीफल एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा 'मणी', संरक्षक डॉ. गीता शुक्ला 'गीत', उपाध्यक्ष इंदिरा अग्निहोत्री, कार्यकारिणी सदस्य सीमारानी झा एवं स्नेहा त्रिपाठी ने एक साथ मंच पर उपस्थित होकर सम्मान-अर्पण किया।

## सिंगरौली से भोपाल तक रोजाना ट्रेन सेवा शुरू: सांसद ने किया सफर

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** सिंगरौली से मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के लिए अब प्रतिदिन रेल सेवा उपलब्ध हो गई है। पहले यह सुविधा सप्ताह में केवल तीन दिन ही मिलती थी, जिससे यात्रियों को आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। नई ट्रेनों के संचालन के बाद अब भोपाल के लिए रोज सीधी रेल कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

**नई ट्रेनों का संचालन शुरू:** नई सेवाओं के तहत भोपाल-धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस (त्रि-साप्ताहिक) और भोपाल-चोपन-भोपाल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) का संचालन शुरू किया गया है। इन ट्रेनों के शुरू होने से सिंगरौली और आसपास के इलाकों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी बुधवार को पहली बार भोपाल से चलकर सिंगरौली पहुंची ट्रेन से क्षेत्रीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने खुद यात्रा की। वे बरगवां पहुंचे, जहां एक कार्यक्रम में उन्होंने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया। विंध्य और पूर्वी मध्यप्रदेश को मिलेगा फायदा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि यह रेल सेवा विंध्य और पूर्वी मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। इससे सिंगरौली, चितरंगी, ब्यौहारी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा उन्होंने कहा कि नई रेल सुविधा से व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके साथ ही मध्यप्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड की सीमा से जुड़े जिलों के लोगों को भी सुविधा मिलेगी

# शासकीय कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 'वर्तमान बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के समक्ष चुनौतियां और उसका समाधान' विषय पर 24 एवं 25 फरवरी 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विद्वानों, शोधार्थियों एवं छात्राओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. प्रभाकर सिंह, प्राचार्य प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ. पी. नामदेव ने कहा कि ऐसे अकादमिक आयोजनों से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को समकालीन विषयों पर गंभीर चिंतन एवं विमर्श का अवसर प्राप्त होता है जिससे उनके बौद्धिक एवं शोध कौशल का विकास होता है। संगोष्ठी के प्रथम दिवस में दो विशिष्ट वक्ताओं ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए प्रथम वक्ता डॉ. एस. पी. शुक्ला, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा ने 'वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की उभरती भूमिका' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भारत विश्व राजनीति में एक महत्वपूर्ण ध्रुव के रूप में उभर रहा है तथा वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका निरंतर सशक्त हो रही है। द्वितीय वक्ता डॉ. के. बी. सिंह, एसजीएस कॉलेज ने भारत के समक्ष उपस्थित आर्थिक, सामरिक एवं तकनीकी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उनके संभावित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आत्मनिर्भरता, नवाचार एवं वैश्विक सहयोग को भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में चार शोधार्थियों तथा द्वितीय सत्र में पांच शोधार्थियों द्वारा शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।


## कार्यालय, नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

**क्रमांक 939/न.पा.नि./राजस्व/2026 रीवा, दिनांक 23/02/2026**

**अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रीवा की व्यवसायिक /आवासीय योजना गांधी काम्पलेक्स प्रकाश चौराह रीवा मे निर्मित फ्लैट क्रमांक 1/13 ब्लाक-बी, प्रथम तल, क्षेत्रफल 1470.00 वर्गफिट श्री राजेन्द्र शर्मा पार्टनर शिल्पी शिवानी इंजीनियर एड बिल्डर्स रीवा को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्री बुद्धसेन गुप्ता पिता स्व. श्री कृष्णकांत गुप्ता निवासी ब्यकंट टॉकीज के पास रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 22.01.2026 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त फ्लैट क्रमांक 1/13 ब्लाक-बी, प्रथम तल के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक श्री राजेन्द्र शर्मा पार्टनर शिल्पी शिवानी इंजीनियर एड बिल्डर्स रीवा (म.प्र.) के आवेदन अनुसार फ्लैट क्रमांक 1/13 ब्लाक-बी, प्रथम तल का नामान्तरण श्री बुद्धसेन गुप्ता पिता स्व. श्री कृष्णकांत गुप्ता निवासी ब्यकंट टॉकीज के पास रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

**उपायुक्त( राजस्व )**
**नगर पालिक निगम रीवा ( म.प्र. )**

# आतंक की परिभाषा तो बताओ

संपादकीय

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है।

नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी 'आतंकवाद' माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है। दरअसल ये शब्द सरकार की तरफ से असंख्य बार बोले जा चुके हैं। खासतौर पर आतंकी हमले के बाद ऐसे वक्तव्य सामने आते रहे हैं।

## कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

**सनत जैन**

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेंसियो ओसेगेरा सर्वांतेस उर्फ 'एल मेंचो' के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेंक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। 2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा।

मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह 'जीत' अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेरिका में भी पड़ना तय है। अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी। तभी नशे के कारोबार के गैंगस्टरों की छाया से मेक्सिको बाहर निकल पाएगा। इतिहास खुद को दोहराने में देर नहीं करता है। नशे के कारोबार का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है, इसमें भारी पैसा है।

**हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में 'फ्री कश्मीर' और 'कश्मीर में जनसंहार बंद करो' जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला.**

# कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

**मनोज कुमार अग्रवाल**

इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्स्ढ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की

रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पर्दाफाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम काईस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है।

आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

दरअसल इन पोस्टर्स का उद्देश्य सोशल नैरेटिव को प्रभावित करना और भारत में अस्थिरता पैदा करना था.जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन आरोपियों का भारत के किसी स्थानीय मॉड्यूल या अन्य संगठनों से भी संपर्क था. शुरुआती इनपुट बताते हैं कि इस नेटवर्क में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. फिलहाल 8 संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ सुरक्षा एजेंसियां इसे भारत में सक्रिय एक बड़ी संगठित आतंकी साजिश का महत्वपूर्ण भंडाफोड़ मान रही हैं.वहीं सुरक्षा एजेंसियों को तमिलनाडु और कोलकाता में आतंकी के तार मिलने से हैरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

**इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन- तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।**

**ललित गर्ग**

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता- प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने।

## ड्रोन कैमरे से देखिए बिलासपुर में रेत की लूट

# बैन के बाद भी अरपा नदी में रातभर उत्खनन, ट्रक-ट्रैक्टरों से ढुलाई, करोड़ों का चूना लगा रहे

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर ( निप्र )।** हाईकोर्ट ने अरपा नदी से अवैध रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाया है। लेकिन इसके बावजूद शहर से लगे नेशनल हाईवे-130 के आसपास सेंदरी, घुटकू, लोखंडी, मंगला, छठघाट, दो मुहानी और ढेका में रेत खनन किया जा रहा है। ड्रोन कैमरे से अवैध खनन का वीडियो बनाया, जिसमें नदी के बीच एक साथ दर्जनों ट्रैक्टर रेत निकालते नजर आए। प्रशासन का दावा है कि खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम सक्रिय है। लेकिन मौके पर न तो जांच होती दिखी और न ही परिवहन रोकने की कोई कार्रवाई। रविवार रात करीब 3 बजे सेंदरी घाट पर ड्रोन से ली गई तस्वीरों में 9 ट्रैक्टर रेत लोड करते दिखे घुटकू घाट पर भी इसी तरह अवैध खनन जारी मिला घाटों तक जाने वाले रास्तों में जगह-जगह रोड़े और रेत के ढेर लगाए गए हैं, ताकि बाहरी लोगों की पहुंच मुश्किल हो सके। पूरी रात रेत का अवैध परिवहन होता रहा, लेकिन खनिज विभाग या पुलिस की टीम मौके पर नजर नहीं आई यह स्थिति तब है जब हाल ही में रेत माफिया ने एक नायब तहसीलदार को कुचलने की कोशिश की थी। इस पूरे मामले में खनिज विभाग के उप संचालक केके गोलघाटे का पक्ष लेने के लिए कॉल-मैसेज किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया जिले में अमलडीहा, उदईबंद, सोढ़ाखुर्द और करहीकछार घाट ही वैध घोषित हैं। इसके बावजूद रोजाना 15 से 20 घाटों से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। मीडिया टीम जब सेंदरी घाट पहुंची तो पुल के नीचे से लगातार ट्रैक्टर निकलते दिखे मौके पर पांच ट्रैक्टर रेत लेकर बाहर जाते नजर आए। वहीं दो युवक संदिग्ध स्थिति में मौजूद थे। उनकी गतिविधियों से साफ था कि उन्हें विशेष रूप से निगरानी और सूचना देने के लिए तैनात किया गया है इसके बाद टीम घुटकू रेत घाट पहुंची। यहां भी इसी तरह का संगठित नेटवर्क सक्रिय मिला। घाट के आसपास दो लोग तैनात थे। घाट पर करीब 10 ट्रैक्टर रेत की लोडिंग में लगे हुए थे। मंगला रोड से करीब दो किलोमीटर दूर मेन रोड से करीब 200 मीटर अंदर लोखंडी के रामघाट में खुलेआम रेत का अवैध खनन चल रहा है। साफ रेत निकालने के लिए अरपा नदी के बीच बहाव में 25 से ज्यादा ट्रैक्टर उतारे जा रहे हैं दोपहर करीब 2 बजे ड्रोन से 150 मीटर ऊंचाई से ली गई तस्वीर में 22 ट्रैक्टर साफ नजर आए।

## जिले में 5,14,920.60 क्विंटल धान का उठाव, 58.52 : कार्य पूर्ण

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान खरीदी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिले के 25 उपार्जन केन्द्रों में किसानों से 8,79,848.60 क्विंटल धान की ऐतिहासिक खरीदी की जा चुकी है। यह आंकड़ा न केवल जिले की कृषि समृद्धि को दर्शाता है, बल्कि प्रशासनिक दक्षता और किसानों के भरोसे का भी प्रतीक है धान खरीदी के साथ-साथ उठाव की प्रक्रिया भी प्रभावशाली गति से आगे बढ़ रही है। एमसीबी जिले में अब तक 5,14,920.60 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक उठाव किया जा चुका है, जो कुल खरीदी का 58.52 प्रतिशत है। वहीं शेष 3,64,928.60 क्विंटल धान के उठाव के लिए परिवहन और भंडारण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे जल्द ही 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके जिला प्रशासन ने खरीदी सीजन के दौरान उपार्जन केन्द्रों में उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। टोकन सिस्टम, समयबद्ध तौल, बारदाना की उपलब्धता, पारदर्शी भुगतान और सुरक्षा प्रबंधन जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। किसानों को बिना किसी बाधा के समर्थन मूल्य का लाभ मिला, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। परिवहन एजेंसियों और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है।

## स्वास्थ्य क्षेत्र को बजट में मिली प्राथमिकता पर स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री का जताया आभार

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** स्वास्थ्य क्षेत्र को मिली ऐतिहासिक प्राथमिकता पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि यह इस सरकार का तीसरा बजट है, जो प्रदेश की 3 करोड़ जनता के सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए समर्पित है। पिछले दो वर्षो में हासिल विकास की गति को यह बजट और तेज करने तथा छत्तीसगढ़ अंजोर, 2047 के लक्ष्यो की दिशा में आगे बढने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। यह बजट छत्तीसगढ़ को समृद्ध एवं खुशहाल बनाने का है स्वास्थ्य मंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह बजट प्रदेश के लिए लाभदायक और हर वर्ग के लिए बेहतर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और वित्त मंत्री की वित्तीय प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य विभाग को व्यापक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि बजट में राज्य के शासकीय कर्मचारियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा देने का निर्णय ऐतिहासिक है। मंत्री जायसवाल ने बताया कि बजट में शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान भारत योजना के लिए 1,500 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अंबिकापुर एवं धमतरी में जिला अस्पताल भवन निर्माण, रायपुर (कालीबाड़ी) में 200 बिस्तरों वाले एमसीएच की स्थापना तथा चिरमिरी में जिला अस्पताल निर्माण जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करेंगी। उन्होंने कहा कि दुर्ग, कोंडागांव, जशपुर और रायपुर में प्रशिक्षण केंद्र, दंतेवाड़ा, मनेन्द्रगढ़, कवर्धा, जांजगीर-चांपा एवं कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज तथा कांकेर, कोरबा, मनेन्द्रगढ़, सरिया और महासमुंद में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना से चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। राजनांदगांव में फिजियोथेरेपी कॉलेज और रायपुर में उन्नत कार्डियक इंस्टिट्यूट की स्थापना से विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी। इसके साथ ही 25 डायलिसिस केंद्र, 50 जन औषधि केंद्र तथा 25 से अधिक भवन निर्माण का प्रावधान ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और व्यापक बनाएगा। बिलासपुर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट तथा रायपुर में राज्य के पहले होम्योपैथी कॉलेज की स्थापना को भी मंत्री ने ऐतिहासिक निर्णय बताया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में अधोसंरचना विस्तार हेतु 25 करोड़ रुपये का प्रावधान गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। मंत्री जायसवाल ने कहा, 'यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता के बेहतर स्वास्थ्य, समग्र विकास और सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी के प्रति मैं प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बजट 2026-27 के ये प्रावधान छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

## मेडिकल कॉलेज संचालन की मंजूरी, छात्रावास और कोतवाली भवन निर्माण को स्वीकृति मिली

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** प्रदेश सरकार के बजट में जिले को कई महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं। इनमें मेडिकल कॉलेज का संचालन, ओबीसी छात्रावास का निर्माण और सिटी कोतवाली के नए भवन की स्वीकृति शामिल है बजट में मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए प्रावधान किया गया है। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उच्च चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी इसके अलावा ओबीसी छात्रावास के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई है। यह सुविधा पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को आवासीय सहायता प्रदान करेगी, जिससे उनकी पढ़ाई में आसानी होगी। जिले में एक नए महाविद्यालय के निर्माण को भी हरी झंडी मिली है। सिटी कोतवाली के नए भवन को मंजूरी कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सिटी कोतवाली के नए भवन निर्माण को भी मंजूरी प्रदान की गई है। यह कदम जिले में पुलिसिंग और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायक होगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने बजट में जिले को मिली इन सौगातों का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इससे एमसीबी जिले के विकास को नई गति मिलेगी और स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में आधारभूत संरचना मजबूत होगी।

## युवक ने पत्नी और सास को पीटा : दहेज प्रताड़ना का मामला

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शहर के न्यायालय परिसर के बाहर बुधवार दोपहर उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक युवक ने बीच सड़क पर अपनी पत्नी और सास के साथ मारपीट कर दी। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाकर मामले की जांच शुरू कर दी जानकारी के अनुसार संजय कॉलोनी निवासी रानी शाक्य की शादी करीब छह माह पहले गोशाला क्षेत्र निवासी रवि शाक्य से हुई थी। रानी का आरोप है कि शादी के एक माह बाद से ही पति द्वारा सोने की अंगूठी और दो लाख रुपये की मांग की जा रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया, जिसके बाद वह अपने मायके में रह रही थी। कोर्ट के बाहर हुआ विवाद, सड़क पर जुटी भीड़ बताया जा रहा है कि महिला ने अपने पति के खिलाफ भरण-पोषण और दहेज प्रताड़ना का मामला न्यायालय में दायर कर रखा है। बुधवार को वह अपनी मां के साथ कुटुंब न्यायालय में तारीख पर पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान उसका पति वहां पहुंच गया और दोनों के साथ मारपीट करने लगा। बीच सड़क पर हुए विवाद को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और महिला ने भी अपनी मां के बचाव में पति का विरोध किया।

## फेंसिडिल सिरप मामले में आरोपी को 12 साल की सजा : कोर्ट ने एक लाख रुपए जुर्माना भी लगाया

**मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर ( निप्र )।** ग्वालियर में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े एक मामले में विशेष न्यायालय ने आरोपी गोपाल गुप्ता को 12 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायालय ने आरोपी को फेंसिडिल सिरप की अवैध बिक्री और भंडारण का दोषी पाया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ग्वालियर को 19 जनवरी 2017 को सूचना मिली थी। यह सूचना रवि नगर स्थित एक मकान में भारी मात्रा में फेंसिडिल सिरप के अवैध भंडारण से संबंधित थी। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने मकान के निचले हिस्से में स्थित गैराज पर छापा मारा। वहां से जूट की बोरियों और कार्टनों में रखी फेंसिडिल सिरप की कुल 76 हजार 200 बोतलें बरामद की गईं थी मामले की सुनवाई के बाद, विशेष सत्र न्यायालय ने आरोपी गोपाल गुप्ता को दोषी ठहराया। न्यायालय ने उसे 12 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। वही आरोपी जुर्माना अदा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त एक वर्ष का सश्रम कारावास भुगतना होगा।

## काले हिरण शिकार मामले में वनकर्मियों की भूमिका संदिग्ध

## डीएफओ बोले : एरिए से दोबारा नौकरी नहीं देंगे विभाग की छवि हो रही खराब

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** अवैध कटाई, अतिक्रमण और शिकार जैसे मामलों में कार्रवाई में देरी तथा तथ्यों को छिपाने की घटनाओं से वन विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। हाल ही में सिवनी मालवा क्षेत्र में दो काले हिरणों के शिकार के मामले में विभागीय कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आने के बाद रेंजर, डिप्टी रेंजर सहित छह वनकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले छिपीखापा बीट में अवैध कटाई के मामले में 1200 पेड़ों की जगह केवल 383 पेड़ों की कटाई दर्ज किए जाने का मामला सामने आया था। उस प्रकरण में भी रेंजर, एसडीओ और डीएफओ की भूमिका पर सवाल उठे थे। लगातार सामने आ रही घटनाओं से विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं

**शिकार के साक्ष्य मिटाने के आरोप:** वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने आरोप लगाया है कि काले हिरण के शिकार के बाद वन अमले ने साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। उनका कहना है कि यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि गंभीर आपराधिक कृत्य है। उन्होंने इस मामले में शामिल वन अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित पशु चिकित्सक पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर सेवा से बर्खास्त करने की मांग की है अजय दुबे ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अजय अंबाड़े को शिकायत भेजकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 238 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केवल निलंबन पर्याप्त नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों के तहत कदाचार और कर्तव्य की घोर उपेक्षा के आधार पर सेवा से बर्खास्तगी की कार्रवाई की जानी चाहिए। डीएफओ गौरव शर्मा ने बताया कि 21 जनवरी 2026 को सिवनी मालवा के पास बासनिया गांव में यह घटना हुई। दो काले हिरणों का शिकार कर आरोपी उन्हें ले जा रहे थे। ग्रामीणों को भनक लगने पर आरोपी हिरणों को छोड़कर फरार हो गए। प्रारंभिक स्तर पर विभागीय स्टाफ ने घटना की सही जांच नहीं की और पूरी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक नहीं पहुंचाई। एक जीवित हिरण, जिसके पैर बंधे हुए थे उसे खोलकर छोड़ दिया गया दूसरे मृत हिरण को प्राकृतिक मौत बताकर गांव में ही पोस्टमार्टम कराया गया और शव को जला दिया गया। पोस्टमार्टम के दौरान निकाले गए नमूनों को जांच के लिए भेजने के बजाय नष्ट कर दिया गया कुछ दिनों बाद ग्रामीणों द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो और फोटो सामने आने पर मामले में विभागीय कर्मचारियों की भूमिका उजागर हुई। इसके बाद संबंधित कर्मचारियों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवाकर पूछताछ की गई, जिसमें शिकार के मामले को दबाने की बात सामने आई।

## महिला का मंगलसूत्र छीन कर भागा बाइक सवार : ड्यूटी कर घर लौट रही थी महिला

**मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर ( निप्र )।** ग्वालियर में बाइक सवार बदमाश ने एक महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र झपट लिया। वारदात 20 फरवरी की शाम करीब 7 बजे तानसेन नगर स्टेट बैंक चौराहा के सामने हुई। बाइक सवार बदमाश सामने से आया और मौका मिलते ही महिला के गले पर झपट्टा मारकर मंगलसूत्र लेकर फरार हो गया। वारदात के समय महिला होंडा कंपनी के सर्विस सेंटर में ड्यूटी पूरी कर पैदल अपने घर हजीरा लौट रही थी। घटना के तुरंत बाद महिला ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास लगे कैमरों की जांच की, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। जांच के बाद मंगलवार रात लूट का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। हजीरा न्यू रेशम मिल, बिरला नगर निवासी सीमा कनौरिया (44) पति छिदामी लाल, पड़ाव स्थित होंडा कंपनी के सर्विस सेंटर में कार्यरत हैं। 20 फरवरी की शाम करीब 7 बजे वह पड़ाव से पैदल हजीरा के लिए निकली थीं। जब वह तानसेन रोड पर स्टेट बैंक चौकी के पास पहुंचीं, तभी बाइक सवार बदमाश ने गले से मंगलसूत्र झपट लिया और भाग निकला। घटना के बाद कुछ देर तक सीमा कनौरिया को समझ नहीं आया कि क्या हुआ है। इसके बाद उन्होंने परिजनों को जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे और आसपास तलाश भी की, लेकिन मंगलसूत्र का कोई सुराग नहीं मिला। जिस स्थान पर लूट की वारदात हुई, वहां कैमरे काफी दूरी पर लगे हैं। साथ ही इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव भी अधिक रहता है। सीमा कनौरिया पुलिस को लूट के सटीक समय और आरोपी के हुलिए के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दे पा रही हैं। फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े मार्गों पर लगे कैमरों की जांच कर रही है, ताकि कोई नया सुराग मिल सके।

# हैंडपंप मरम्मत से चिरईपानी में लौटा स्वच्छ पेयजल, ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** जिले के मनेन्द्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चिरईपानी के ग्राम चिरईपानी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किए गए हैंडपंप मरम्मत कार्य से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है और लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। बीते कुछ समय से हैंडपंप से गंदा एवं दूषित पानी निकलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं, जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग के लिए भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने त्वरित कार्रवाई की और तकनीकी टीम को मौके पर भेजकर हैंडपंप एवं जल स्रोत की विस्तृत जांच कराई गई। निरीक्षण के दौरान हैंडपंप में तकनीकी खराबी एवं जल स्रोत में गंदगी की स्थिति पाई गई, जिसके बाद विभाग द्वारा तत्काल आवश्यक मरम्मत कार्य कराया गया। मरम्मत के साथ-साथ जल स्त्रोत की पूरी साफ-सफाई की गई और पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण भी कराया गया, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। विभागीय प्रयासों के परिणामस्वरूप अब हैंडपंप से साफ पानी निकल रहा है और गांव में पेयजल की स्थिति सामान्य हो गई है।

## 2 मार्च से यात्री बसों की प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल

**मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर ( निप्र )।** बस ऑपरेटर यूनियन ग्वालियर संभाग ने मध्य प्रदेश शासन की नई परिवहन नीति और यात्री बसों पर बढ़ाए गए टैक्स के विरोध में 2 मार्च से अनिश्चितकालीन प्रदेशव्यापी बस हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियन का कहना है कि यदि सरकार ने 2 मार्च से पहले उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया, तो पूरे प्रदेश में निजी बसों का संचालन बंद कर दिया जाएगा। यूनियन के महामंत्री पदम गुप्ता ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी नए नोटिफिकेशन के तहत वर्तमान निजी बस ऑपरेटरों के परमिट निरस्त कर एक ही व्यक्ति या कंपनी को पूरे क्षेत्र का लाइसेंस देने की तैयारी है। उनके अनुसार इस व्यवस्था में ऑपरेटरों की बसें उसी व्यक्ति विशेष के माध्यम से संचालित होंगी, जिससे नियंत्रण सरकार के बजाय एक निजी इकाई के हाथ में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि जब वर्तमान व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है और किराया भी सरकार द्वारा तय दरों के अनुसार ही लिया जाता है, तो फिर नई नीति लाने की आवश्यकता क्या है।

# सीहोर के तालाब में मरे मिले 16 से अधिक पक्षी

## ग्रामीणों ने पोस्टमॉर्टम और पानी की जांच कराने की मांग की

**मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले के ग्राम बरखेड़ी में आज सुबह तालाब किनारे बड़ी संख्या में पक्षी मृत अवस्था में पड़े मिले। सुबह टहलने और खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने तालाब के पास पक्षियों को जमीन पर पड़ा देखा। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। ग्रामीणों के मुताबिक, मृत पक्षियों की संख्या 16 से अधिक है। सभी पक्षी एक ही इलाके में तालाब के किनारे पड़े मिले। घटना के बाद पूरे गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

**पानी की कमी वाले तालाब में डेरा डाले थे प्रवासी पक्षी :** बरखेड़ी के इस तालाब में इन दिनों पानी बहुत कम बचा है। इसके बावजूद यहां प्रवासी पक्षी हर साल की तरह डेरा डाले हुए थे। ग्रामीणों का कहना है कि ठंड के मौसम में अलग-अलग प्रजातियों के पक्षी यहां आते हैं और कई दिन तक रुकते हैं। आज सुबह अचानक बड़ी संख्या में पक्षियों के मृत मिलने से लोगों में दहशत और चिंता दोनों है। ग्रामीणों को आशंका है कि पानी की कमी, प्रदूषण या किसी अन्य कारण से यह घटना हुई हो सकती है।

**डायल 112 ने बताया कार्यक्षेत्र से बाहर :** सजग ग्रामीणों ने सबसे पहले डायल 112 पर कॉल कर सूचना दी। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें यह कहकर जवाब दे दिया गया कि यह मामला उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता। इसके बाद ग्रामीणों ने सीधे वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर पूरी जानकारी दी।

**वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, निरीक्षण जारी :** मामले की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। टीम ने तालाब का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। मृत पक्षियों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही पानी और अन्य सैंपल एकत्र कर जांच के लिए सागर भेजे गए हैं।

मौके पर पहुंचे वन विभाग के वनपाल बृजेश राठौर ने बताया कि सैंपल एकत्र कर लिए गए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टि में ऐसा लग रहा है कि पानी के कारण पक्षियों की मौत हुई हो सकती है, लेकिन अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा।

**बगुले, तीतरी जैसे पक्षी भी शामिल :** ग्राम के निवासी सुनील ने बताया कि मृत पक्षियों में बगुले और तीतरी जैसे पक्षी शामिल हैं। कुछ पक्षी देखने में हंस जैसे भी लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि तालाब में पानी की कमी के बावजूद प्रवासी पक्षी हर साल यहां आते हैं, लेकिन इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई।

# वेस्टर्न रेलवे ने चलाई होली स्पेशल दो ट्रेनें

## दादर-नई दिल्ली और वलसाड़-मऊ के लिए चलेगी; रतलाम, नागदा में रहेगा स्टॉपेज

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** होली के दौरान अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा दो स्पेशल ट्रेने चलाने जा रहा है। यह ट्रेनें रतलाम मंडल से होकर दादर से नई दिल्ली एवं वलसाड से मऊ के लिए चलेगी। इन ट्रेनों का रतलाम स्टेशन पर स्टॉपेज दिया है। रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया ट्रेन संख्या 04001 दादर से-नई दिल्ली स्पेशल शुक्रवार, 27 फरवरी एवं 6 मार्च को 00.05 बजे दादर से चलेगी। रतलाम (09.30/09.35) बजे होते हुए उसी दिन 21.05 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली-दादर स्पेशल बुधवार, 25 फरवरी एवं 4 मार्च 2026 को 22.40 बजे नई दिल्ली से चलेगी। रतलाम (10.35/10.40 गुरुवार) बजे होते हुए अगले दिन 22.40 बजे दादर पहुंचेगी।

**इन स्टेशनों पर रहेगा स्टॉपेज :** यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा एवं कोसी कलाँ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

**वलसाड-मऊ स्पेशल :** ट्रेन संख्या 05018 वलसाड- मऊ स्पेशल, वलसाड से 1 मार्च एवं 08 मार्च प्रति रविवार को 15.10 बजे चलेगी। रतलाम (22.25/22.45) एवं नागदा (23.48/23.50) बजे होते हुए मंगलवार को 00.45 बजे मऊ रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

# खरगोन में बोलेरो से 5 लाख की शराब जब्त

## आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे क्षेत्र में कार्रवाई, बिहार का एक आरोपी गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)।** खरगोन पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। खलटांका पुलिस ने नाकाबंदी कर एक बोलेरो पिकअप वाहन से 5 लाख रुपए से अधिक की अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में बिहार के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वाहन से कुल 170 पेटियों में 1980 लीटर अवैध देशी और विदेशी शराब बरामद की है। जब्त की गई शराब में 150 पेटी बीयर और 20 पेटी देशी प्लेन शराब शामिल है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 5 लाख 7 हजार रुपए बताई गई है। इसके अतिरिक्त, शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही 8 लाख रुपये कीमत की बोलेरो पिकअप को भी जब्त कर लिया गया है।

**टीम पानवा भेजी गई:** एडिशनल एसपी शकुंतला रूहल ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर तत्काल एक टीम पानवा के आगे भेजी गई, जहां नाकाबंदी की गई। वाहनों की चेकिंग के दौरान आरोपी विकास पिता उपेंद्रसिंह चंद्रवंशी को गिरफ्तार किया गया। विकास मूल रूप से औरंगाबाद, बिहार का निवासी है और वर्तमान में दावलबेड़ी, थाना सेंधवा, जिला बड़वानी में रहता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 61/26 के तहत आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से आगे की पूछताछ जारी है और मामले की विवेचना की जा रही है।

# 2 मार्च को बस ऑपरेटरों की हड़ताल,नई स्टेज कैरिज नीति के विरोध में प्रदर्शन

## होली पर यात्रियों को होगी परेशानी

**मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)।** मध्य प्रदेश के बस ऑपरेटरों ने 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। यह फैसला प्रदेश के बस मालिकों और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की मंगलवार को हुई बैठक में लिया गया। ऑपरेटरों का कहना है कि स्टेज कैरिज बसों के संचालन को लेकर सरकार द्वारा लाई जा रही नई नीति से उन्हें नुकसान होगा। बुरहानपुर जिला बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश चौकसे ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से बात की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उनका कहना है कि अगर हड़ताल होती है तो आम जनता को होने वाली परेशानी के लिए शासन जिम्मेदार होगा।

**बस ऑपरेटरों की मुख्य मांगें :** 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित संशोधन के प्रारूप को वापस लिया जाए। 29 जनवरी 2026 को राजपत्र में प्रकाशित संशोधन को पूरी तरह समाप्त किया जाए। वर्तमान में प्रदेश में बस संचालन की जो व्यवस्था चल रही है, उसे यथावत रखा जाए।

**प्रशासन को दिया ज्ञापन :** बस ऑपरेटरों ने प्रशासन को इस संबंध में ज्ञापन भी सौंप दिया है। एसोसिएशन के सचिव चंद्रकांत महाजन ने बताया कि डिप्टी कलेक्टर सृजन श्रीवास्तव को ज्ञापन देकर हड़ताल की जानकारी दे दी गई है।

**होली के त्यौहार के दौरान हड़ताल :** यह हड़ताल होली के आसपास प्रस्तावित है। ऐसे समय में बड़ी संख्या में लोग बसों से यात्रा करते हैं, इसलिए अगर हड़ताल होती है तो यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

# इटारसी रेलवे स्टोर रूम में दिखा कबरबिज्जू

## वन विभाग और सर्पमित्रों ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

**मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)।** रेलवे के इलेक्ट्रिक मेंटेनेंस ऑफिस के स्टोर रूम में मंगलवार को एक कबरबिज्जू (एशियाई पाम सिवेट) देखा गया। सूचना मिलने पर वन विभाग और सर्पमित्रों की टीम ने उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर वनपरिक्षेत्र में छोड़ दिया।

यह घटना बारह बंगला रेलवे इलेक्ट्रिक मेंटेनेंस ऑफिस में हुई। जब इलेक्ट्रिक स्टाफ सामान निकालने के लिए स्टोर रूम में गया, तो उन्हें वहां कबरबिज्जू दिखाई दिया। अचानक जंगली जीव को देखकर कर्मचारी घबरा गए और कोई भी स्टोर रूम में जाने को तैयार नहीं हुआ। मामले की सूचना तत्काल ओएस नरेश राठौर ने वन विभाग को दी।

सूचना मिलते ही वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर सर्पमित्रों की टीम मौके पर पहुंची। इस टीम में अभिजीत यादव, अभय चौरे, मोहित मेहरा और सचिन दुलारे शामिल थे। टीम ने सावधानी और सतर्कता के साथ स्टोर रूम की घेराबंदी की।

कुछ देर की मशक्कत के बाद टीम ने छुपे हुए कबरबिज्जू को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। रेस्क्यू के दौरान विशेष सावधानी बरती गई ताकि न तो जानवर को कोई नुकसान पहुंचे और न ही कर्मचारियों को कोई खतरा हो। सफल रेस्क्यू के बाद कबरबिज्जू को वन विभाग की निगरानी में सुरक्षित रूप से वनपरिक्षेत्र के उपयुक्त प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

वन विभाग के अनुसार, कबरबिज्जू आमतौर पर रात में सक्रिय रहने वाला एक शर्मीला वन्यजीव है। यह अक्सर भोजन की तलाश में रिहायशी इलाकों के आसपास पहुंच जाता है। यह इंसानों पर हमला नहीं करता, लेकिन घबराने पर बचाव की कोशिश करता है।

रेलवे स्टाफ ने सर्पमित्रों और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि ऐसे किसी भी वन्यजीव के दिखने पर घबराएं नहीं और स्वयं उसे पकड़ने की कोशिश न करें, बल्कि तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को सूचना दें।

# दमोह में बारातियों से भरी पिकअप पलटी

## पन्ना से वापस लौट रही थी बारात

**दमोह, एजेंसी।** दमोह जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र की फुटेरा चौकी अंतर्गत गंजबरखेड़ा गांव में बारातियों से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में करीब 6 बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बुधवार दोपहर की है। सूचना मिलते ही फुटेरा चौकी प्रभारी आनंद कुमार मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल बटियागढ़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

**पन्ना जिले के अमानगंज गई थी बारात :** जानकारी के अनुसार, बटियागढ़ थाना क्षेत्र के निंबोरा कला गांव से एक बारात पन्ना जिले के अमानगंज गई थी। बुधवार दोपहर बारात की विदाई के बाद पिकअप वाहन में सवार होकर बाराती दहेज का सामान लेकर वापस लौट रहे थे।

# कुछ इंच की दूरी से गुजरी मौत

## मंदसौर में लोडिंग पिकअप के टायरों के नीचे आने से बाल-बाल बचा मासूम

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी से एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक छोटे बच्चे की जान बाल-बाल बचती नजर आ रही है। घटना में जरा सी चूक बड़े हादसे में बदल सकती थी, लेकिन गनीमत रही कि समय रहते वाहन चालक ने ब्रेक लगा दिए और मासूम सुरक्षित बच गई।

**स्कूटी के आगे बैठा था बच्चा :** एक युवक अपनी स्कूटी से जा रहा था और उसके आगे एक बच्चा बैठा हुआ था। इसी दौरान सामने से एक लोडिंग पिकअप वाहन आ रहा था। तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से मासूम स्कूटी से सड़क पर गिर गया।

**टायर से कुछ ही इंच की दूरी पर गिरा बच्चा :** हैरानी की बात यह रही कि बच्चा ठीक उसी समय सड़क पर गिरा जब सामने से लोडिंग वाहन गुजर रहा था। वाहन के अगले दोनों टायर मासूम को पार कर चुके थे, लेकिन बच्चा उनसे कुछ ही इंच की दूरी पर गिरा। यदि जरा सा भी फासला कम होता तो यह घटना गंभीर हादसे में बदल सकती थी।

लोडिंग वाहन चालक ने तत्काल ब्रेक लगा दिए, जिससे वाहन वहीं रुक गया। चालक की सतर्कता के कारण संभावित बड़ा हादसा टल गया।

**सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर रहे लोग :** घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बच्चा किस तरह वाहन के टायर से कुछ ही इंच की दूरी पर गिरती है।

# आदिवासी महिला से छेड़छाड़, कुल्हाड़ी से हमला

## जिला अस्पताल में पीड़िता बोली- जान से मार देते; आरोपी पिता-पुत्र फरार

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर जिले के बाजना थाना क्षेत्र में एक 32 वर्षीय आदिवासी महिला से छेड़छाड़ और विरोध करने पर उस पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर से जंगल की ओर जा रही थी। रास्ते में गांव के नारायण प्रजापति और उसके बेटे सुरेश प्रजापति ने उसे रोक लिया। महिला का आरोप है कि दोनों ने उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। जब भागने की कोशिश की गई तो उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। महिला ने बताया कि पिता-पुत्र कह रहे थे कि इसे जान से ही मार दो। मैं बड़ी मुश्किल से जान बचाकर भागी।

**भागने की कोशिश की तो कुल्हाड़ी से हमला :** महिला ने बताया कि जब उसने विरोध किया और खुद को बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजनों की मदद से घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।

**टीआई बोले- पहले से चल रहा था विरोध :** बाजना थाना प्रभारी अयोध्या प्रसाद ने बताया कि पीड़िता और आरोपियों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के कारण नारायण प्रजापति और उसके बेटे सुरेश प्रजापति ने महिला पर कुल्हाड़ी से हमला किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115 और 351 (2-3-5) के तहत मामला दर्ज किया है।

# खंडवा के सराफा बाजार में सांड ने महिला को रौंदा

## पैर में आए 6 टांके,हालत गंभीर; एंबुलेंस नहीं पहुंचने पर ऑटो से भेजा अस्पताल

**मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)।** खंडवा के मुख्य सराफा बाजार में रविवार दोपहर करीब 3 बजे एक सांड ने पैदल जा रही एक महिला को रौंद दिया। इस हादसे में महिला बुरी तरह लहूलुहान हो गई और उनके पैर में 6 टांके आए हैं। घायल महिला की पहचान खंडवा निवासी आकांक्षा पंवार के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद उन्हें एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के बाद बाजार में आवारा मवेशियों को लेकर नगर निगम प्रशासन की बड़ी लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई है।

यह पूरी घटना शीतला माता मंदिर के सामने की है। जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय दो रिश्तेदार महिलाएं वहां से पैदल गुजर रही थीं। दोनों के बीच करीब चार कदम का फासला था। इसी दौरान एक सांड अचानक आया और वह अपने से आगे जा रहे दूसरे सांड पर हमला करने के लिए दौड़ा। इसी बीच रास्ते से जा रही महिला आकांक्षा पंवार को उसने रौंद दिया। हादसे के बाद महिला वहीं गिर गई और फिर खुद उठकर सड़क किनारे एक दुकान पर बैठ गई। उनके साथ आई रिश्तेदार जो आगे निकल चुकी थीं, उन्होंने दौड़कर पास आकर घायल महिला को संभाला।

**कारोबारी ने कहा- बाजार में एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती:** बाजार में भीड़भाड़ होने के कारण घायल महिला को ऑटो की मदद से एक नर्सिंग होम भेजा गया। वहां प्राइमरी इलाज के दौरान महिला के पैर में 6 टांके आए हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय कारोबारी प्रेमांशु चौधरी ने घटना को लेकर कहा, 'महिला लहुलुहान होकर उनकी हालत नाजुक थी। बाजार की स्थिति ऐसी है कि यहां एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती।

# पुलिस की ऑनलाइन सट्टेबाजी के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

## 10 लाख 1 हजार रूपए नगद, इलेट्रॉनिक उपकरण एवं 3 करोड़ 29 लाख रूपए से अधिक के लेन-देन का बड़ा खुलासा

## ग्वालियर और कटनी में ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** प्रदेश में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही है। इसी क्रम में ग्वालियर एवं कटनी जिलों में पुलिस ने अलग-अलग प्रकरणों 10 लाख 1 हजार रूपए नगद, एटीएम कार्ड, लैपटॉप, मोबाइल फोन, चेक बुक सहित लगभग 13 लाख 98 हजार रुपये की संपत्ति जप्त की हैं। दोनों मामलों में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के माध्यम से बड़े पैमाने पर 3 करोड़ 29 लाख रूपए का आर्थिक लेन-देन का भी खुलासा हुआ है। ग्वालियर जिले में क्राइम ब्रांच पुलिस ने थाना महाराजपुरा क्षेत्र स्थित आदर्श कॉलोनी पिंटोपार्क के एक

मकान पर प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान कमरे में 03 व्यक्ति मोबाइल एवं लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित करते पाए गए, जिन्हें मौके से गिरफ्तार किया गया। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच में विभिन्न ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइटों पर सक्रिय आईडी, ट्रांजेक्शन डाटा, यूपीआई क्यूआर कोड, बैंक खातों से संबंधित विवरण तथा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से निर्देश प्राप्त होने संबंधी डिजिटल साक्ष्य मिले है। प्रारंभिक पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी कमीशन के आधार पर कार्य करते हुए लोगों को गेमिंग एप में जीत का प्रलोभन देकर रकम निवेश करवाते थे तथा म्यूल बैंक खातों के माध्यम से राशि का ट्रांसफर कराते थे। अवैध लाभ का हिस्सा नगद एवं विभिन्न खातों में स्थानांतरित किया जाता था, साथ ही प्रत्येक लेन-देन के लिए अलग-अलग खाते उपयोग किए जाते थे जिससे ट्रैकिंग कठिन हो सके।

आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 49 हजार रूपए नगद, 03 लैपटॉप, 10 मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, एक बैग सहित 8 लाख 69 हजार रूपए की सामग्री जप्त की गई। इसी प्रकार कटनी जिले के थाना माधवनगर क्षेत्र में कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के माध्यम से करोड़ों रुपये के अवैध ट्रांजेक्शन किए जाने का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में पाया गया कि बंधन बैंक, एचडीएफसी बैंक एवं आईडीबीआई बैंक के खातों के माध्यम से लगभग 3 करोड़ 29 लाख रूपए का लेन-देन किया गया।

आरोपियों के कब्जे से 5 लाख 52 हजार रूपए नगद, एटीएम कार्ड, चेकबुक, मोबाइल फोन एवं अन्य दस्तावेज जप्त किए हैं। प्रकरण में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की तलाश एवं विस्तृत जांच की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस राज्य में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एवं साइबर आधारित आर्थिक अपराधों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए निरंतर सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इन अपराधों में संलिप्त संगठित गिरोहों की पहचान कर उनके नेटवर्क, बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट्स तथा तकनीकी संसाधनों को चिन्हित कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

# दौसा फुटबॉल टूर्नामेंट: दिल्ली के यशराज और करनाल के डेंग का जलवा

## रोमांचक मुकाबलों में गढ़वाल डायमंड और दीपक क्लब जीते

**दौसा, एजेंसी।** 'एक जिला, एक खेल' अभियान के तहत आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने न केवल अपनी शारीरिक क्षमता, बल्कि उच्च खेल भावना और अनुशासन का भी परिचय दिया। मैदान पर खेले गए दो प्रमुख मैचों में दर्शकों को अंत तक रोमांच का अनुभव हुआ। मैच 1: गढ़वाल डायमंड क्लब बनाम एक्वा क्लब रांची दिल्ली के गढ़वाल डायमंड क्लब और रांची (झारखंड) के एक्वा क्लब के बीच खेला गया मुकाबला बेहद कड़ा रहा।

मैच का टर्निंग पॉइंट: खेल के 80 मिनट तक दोनों टीमें एक-दूसरे के डिफेंस को भेदने में नाकाम रहीं। लेकिन 81वें मिनट में दिल्ली के जर्सी नंबर 6 यशराज ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला।

जीत की मुहर: 86वें मिनट में जर्सी नंबर 18 पारस ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया और दिल्ली की जीत पक्की कर दी।

मैन ऑफ द मैच: हार के बावजूद रांची के जर्सी नंबर 3 रोहन को उनके बेहतरीन खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। अतिथि: डॉ. आर.के मीणा, राजकुमार जायसवाल, पंडित राधेश्याम शर्मा और अरुण शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

मैच 2: दीपक क्लब करनाल बनाम छुन्न दौसा

दूसरे मैच में करनाल की टीम ने मेजबान दौसा पर गोलों की बरसात कर दी।

संघर्षपूर्ण शुरुआत: हाफ-टाइम तक स्कोर 0-0 रहा। इसके बाद करनाल के अम्मा मनयून ने पहला गोल कर बढ़त दिलाई। दौसा के नवीन ने 64वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

करनाल का दबदबा: इसके बाद करनाल के खिलाड़ियों (सिल्वा, डेंग और जोश्या) ने एक के बाद एक गोल दागने शुरू किए। जर्सी नंबर 5 डेंग ने दो गोल कर टीम को 5-1 के विशाल अंतर से जीत दिलाई।

मैन ऑफ द मैच: दो गोल दागने वाले करनाल के खिलाड़ी डेंग को 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया।

# अफरीदी का बड़ा कारनामा

## टी20 वर्ल्ड कप में ऐसा करने वाले पहले पाकिस्तानी गेंदबाज बने

**पल्लेकेले, एजेंसी।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान की भिड़ंत इंग्लैंड के साथ हो रही है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। शाहीन अफरीदी टी20 वर्ल्ड कप में पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले पाकिस्तान के इकलौते गेंदबाज बन गए हैं। अफरीदी ने पारी की पहली ही बॉल पर इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को पवेलियन भेजा। इसके साथ ही वह टी20 वर्ल्ड कप के पावरप्ले में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है। विश्व कप के पावरप्ले में अब अफरीदी के नाम 18 विकेट हो गए हैं, जबकि रबाडा ने अब तक 16 विकेट निकाले हैं। पल्लेकेले में पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सैम अयूब महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान सलमान आगा भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए। बाबर आजम ने 24 गेंदों का सामना करते हुए 25 रन बनाए। साहिबजादा फरहान एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने 45 गेंदों में 63 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान फरहान ने 7 चौके और 2 छक्के लगाए। फखर जमान ने 16 गेंदों में 25 रन बनाए। वहीं, शादाब खान ने अंतिम ओवरों में 11 गेंदों में 23 रन बनाए, जिसके बूते पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 164 रन लगाने में सफल रही। इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाजों का प्रदर्शन एक बार फिर शानदार रहा। लियाम डॉसन ने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 24 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। जोफ्रा आर्चर भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 32 रन देकर दो बड़े विकेट चटकाए। जेमी ओवरटन ने 3 ओवर में 26 रन देते हुए 2 विकेट झटके। पाकिस्तान ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। फहीम अशरफ की जगह पर शाहीन अफरीदी को टीम में जगह दी गई है।

**टी20 वर्ल्ड कप**

# भारतीय टीम का साथ छोड़कर घर लौटे रिंकू सिंह

## पिता की बिगड़ी तबीयत: रिपोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह मंगलवार को चेन्नई से उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू को घर में हेल्थ इमरजेंसी होने की वजह से भारतीय टीम का साथ छोड़कर जाना पड़ा है। खबरों के मुताबिक, रिंकू सिंह के पिता चौथे चरण के लिवर कैंसर से पीड़ित हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिंकू के पिता को अभी वेंटिलेटर पर रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि रिंकू ने मंगलवार को चेन्नई में हुए अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया, और उनका अगले मैच में खेलना भी काफी मुश्किल है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि जिम्बाब्वे के खिलाफ 'करो या मरो' के मैच में संजू सैमसन को भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

रिंकू सिंह ने टी20 विश्व कप 2026 में अब तक खेले गए सभी मैचों में हिस्सा लिया है और कुल मिलाकर 24 रन बनाए हैं। अंतिम ओवरों में फिनिशर की भूमिका में रिंकू टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं, और उनकी अनुपस्थिति मेजबान टीम के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है। रिंकू के न होने से टीम का संतुलन बिगड़ सकता है। रिंकू एक अच्छे फील्डर भी हैं।

# स्क्वैश: 18-22 मार्च तक खेला जाएगा इंडियन ओपन, ब्रेबोर्न स्टेडियम में होंगे मुकाबले

**मुंबई, एजेंसी।** इंडियन ओपन 18 से 22 मार्च के बीच सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। यह एक पीएसए कॉपर इवेंट है, जिसकी टिकट अब लाइव हैं। प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) से मान्यता प्राप्त, यह टूर्नामेंट अपने 2025 एडिशन की सफलता को आगे बढ़ा रहा है, जिसे साल के टॉप 10 आइकॉनिक पीएसए इवेंट्स में से एक चुना गया था। 2026 एडिशन में डिफेंडिंग महिला चैंपियन अनाहत सिंह इवेंट में नजर आएंगी। लाइनअप में भारत के टॉप खिलाड़ी भी शामिल हैं, जैसे रमित टंडन, अभय सिंह, वीर चोटरानी, ??वेलावन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा। इनके साथ याह्या एलनवासनी, हाना मोआताज और माजेन हेशाम जैसे इंटरनेशनल कटेंडर भी शामिल हैं।

इस प्रतियोगिता के साथ वर्ल्ड-क्लास स्क्वैश का एक बहुत प्रतिस्पर्धी हफ्ता शुरू होगा। टूर्नामेंट में पुरुषों और महिलाओं दोनों के इवेंट्स के लिए 44,500 यूएस डॉलर प्राइज मनी होगी।

स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल साइरस पोंचा ने कहा, 'इंडियन ओपन तेजी से पीएसए कैलेंडर का एक अहम पड़ाव बन गया है, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को वर्ल्ड-क्लास कॉम्पिटिशन का अनुभव मिलता है और साथ ही स्क्वैश की प्रोफाइल देश भर में बढ़ती है। 2026 के लिए, हम टूर्नामेंट की इंटरनेशनल अहमियत को बढ़ाते रहने और फैंस को हाई-लेवल मैच लाइव देखने के लिए उत्साहित हैं, जिससे भारत में इस खेल के लंबे समय के विकास में मदद मिलेगी। 'इस प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल ग्लास कोर्ट पर होंगे, जिससे एक एरीना-स्टाइल स्क्वैश वेन्यू बनेगा जो एनर्जेटिक, क्लोज-अप व्यूइंग के लिए ऑप्टिमाइज किया गया है।

एक बड़े स्टेज पर समान प्राइज मनी और टॉप इंडियन और इंटरनेशनल प्लेयर्स के लाइनअप के साथ, 2026 इंडियन ओपन ग्लोबल स्क्वैश में भारत की जगह को मजबूत करेगा।

# पाकिस्तान अब भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है, इस टीम के हाथ में पूरा खेल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड से मिली हार के बाद पाकिस्तान सेमीफाइनल से बाहर होने की कगार पर पहुंच सकता है और कोई चमत्कार ही अब उसे शीर्ष-4 में जगह दिला सकता है। आइए जानते हैं कि ग्रुप 2 का कौन सा समीकरण पाकिस्तान को अब भी टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ग्रुप 2 में पाकिस्तान, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड हैं। सभी टीमों को 3-3 मैच खेलने हैं। इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड का तीसरा और आखिरी मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 फरवरी को खेला जाना है।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सुपर-8 का पहला मुकाबला 21 फरवरी को कोलंबो में खेला जाना था। बारिश की वजह से बिना एक भी गेंद फेंके इस मैच को रद्द कर दिया गया था और दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांट दिए गए थे। इस मैच के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पाकिस्तान को अपने दोनों मैच जीतना जरूरी था, लेकिन मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ हार ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल से बाहर होने की कगार पर ला दिया है। सेमीफाइनल के लिए पाकिस्तान को अब अपने प्रदर्शन के अलावा दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को 28 फरवरी को श्रीलंका के खिलाफ होने वाला अपना आखिरी सुपर-8 मुकाबला बड़े अंतर से जीतना होगा। इस जीत के साथ पाकिस्तान के 3 अंक हो जाएंगे और रन रेट भी बेहतर हो जाएगा। वहीं, पाकिस्तान को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपने आखिरी दो मैच हार जाएं। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान के 3 अंक होंगे, न्यूजीलैंड के 1 और श्रीलंका के दो अंक होंगे। इस तरह पाकिस्तानी टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है।

# जिबाबे के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और जिम्बाब्वे के बीच 26 फरवरी को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 'सुपर-8' मैच खेला जाना है। टीम इंडिया को इस टूर्नामेंट में अपने पहले सुपर-8 मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यह संतोष की बात है कि जिम्बाब्वे के विरुद्ध भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 फॉर्मेट में अब तक कुल 13 मैच खेले गए हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 10 मुकाबले जीते। सिर्फ 3 ही मैच जिम्बाब्वे के पक्ष में रहे। दोनों देश टी20 वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ एक ही बार आमने-सामने रहे हैं, जिसे भारत ने अपने नाम किया था। भारत-जिम्बाब्वे के बीच द्विपक्षीय सीरीज के सभी मैच हरारे (जिम्बाब्वे) में खेले गए हैं। दोनों देशों के बीच टी20 क्रिकेट का पहला मैच 12 जून 2010 को खेला गया था, जिसे भारत ने 6 विकेट से जीता। 13 जून को सीरीज के दूसरे और अंतिम मुकाबले में 7 विकेट से जीत हासिल करते हुए टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप किया। इसके बाद भारत ने साल 2015 में इस देश के खिलाफ 2 मुकाबलों की टी20 सीरीज खेली, जो 1-1 से ड्रॉ रही। जून 2016 में भारत-जिम्बाब्वे के बीच 3 मुकाबलों की सीरीज खेली गई, जिसका पहला मैच मेजबान जिम्बाब्वे ने 2 रन के करीबी अंतर से अपने नाम किया, लेकिन अगले दो मुकाबलों को भारत ने जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इसके बाद दोनों देश टी20 वर्ल्ड कप 2022 में आमने-सामने आए, जिसमें भारत ने 186/5 का स्कोर बनाने के बाद जिम्बाब्वे को महज 115 रन पर समेट दिया। यह मैच मेलबर्न में खेला गया था। जुलाई 2024 में भारत ने इस देश के विरुद्ध 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज खेली।

## 'जल्द वापसी करेंगे', बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बढ़ाया टीम इंडिया का आत्मविश्वास

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम को रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद टीम इंडिया के लिए प्लेइंग इलेवन की राह मुश्किल हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि भारतीय टीम इस हार से उबरेगी और जल्द वापसी करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सैकिया ने लिखा, 'कल शाम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हार गए, लेकिन जल्द वापसी करेंगे।' बीसीसीआई सचिव के इस पोस्ट से निश्चित रूप से भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।भारतीय टीम को सुपर-8 में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो और मैच खेलने हैं। टीम इंडिया को अगर सेमीफाइनल में जगह बनानी है, तो किसी भी कीमत पर इन दोनों मैचों में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल करना इतना आसान भी नहीं है। ग्रुप स्टेज में दोनों टीमें अजेय रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच की बात करें, तो इस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 187 रन बनाए थे। भारतीय टीम 111 रन पर सिमट गई और 76 रन से मैच हार गई। भारतीय टीम की टी20 विश्व कप में यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। अगले दो मैचों में भारतीय टीम को जीत दर्ज करनी है, तो प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव करने होंगे। अभिषेक शर्मा या तिलक वर्मा में किसी एक की जगह संजू सैमसन को टीम में वापस लाना होगा। अभिषेक शर्मा आउट ऑफ फॉर्म हैं। लगातार तीन शून्य के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 15 रन बनाए थे। वहीं तिलक वर्मा भी पिछले 4 मैचों में बड़ी पारी नहीं खेले हैं और बल्लेबाजी के दौरान संघर्ष करते हुए दिखेंगे।

# सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम इंग्लैंड

**पल्लेकेले, एजेंसी।** इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को पाकिस्तान को 2 विकेट से हराते हुए अंतिम चार में अपनी जगह बना ली है। सुपर-8 राउंड के मुकाबले में पाकिस्तान से मिले 165 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने 8 विकेट खोकर 19.1 ओवर में चेज कर लिया। टीम की तरफ से कप्तान हैरी ब्रूक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगाया। ब्रूक ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 100 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में इंग्लिश कप्तान ने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, विल जैक्स ने 23 गेंदों में 28 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि मोहम्मद नवाज और उस्मान तारिक ने दो-दो विकेट निकाले। इससे पहले पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 164 रन लगाए। टीम की तरफ से साहिबजादा फरहान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में 63 रनों की लाजवाब पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

बाबर आजम अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 25 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फखर जमान ने 16 गेंदों में 25 रन बनाए। शादाब खान ने अंतिम ओवरों में 11 गेंदों पर 23 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में लियाम डॉसन ने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, जोफ्रा आर्चर और जेमी ओवरटन ने दो-दो विकेट निकाले। इंग्लैंड ने सुपर-8 राउंड के अपने पहले मैच में श्रीलंका को 51 रनों से हराया था।

लगातार दो जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। हालांकि, पाकिस्तान की राह मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान को दूसरे दौर के अपने आखिरी मुकाबले में 27 फरवरी को न्यूजीलैंड से भिड़ना है। सलमान आगा की अगुवाई में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। इसके साथ ही बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

### निजी सीमेंट कंपनी के विरोध में किसानों की महापंचायत

# अमरपाटन में ट्रैक्टर रैली निकालकर जताया विरोध 3600 एकड़ जमीन लीज पर देने का विरोध

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मैहर जिले में डालमिया सीमेंट कंपनी को 3600 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि 40 साल की लीज पर दिए जाने के विरोध में किसानों ने बुधवार को आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया। किसानों ने दर्जनों ट्रैक्टरों के साथ विशाल रैली निकाली और पुरानी कृषि उपज मंडी में 'किसान महापंचायत' का आयोजन किया। प्रदर्शनकारी किसानों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी है कि यदि यह भूमि अधिग्रहण नहीं रोका गया तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। यह पूरा मामला अमरपाटन और रामपुर बघेलान तहसील की लगभग 3600 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण से जुड़ा है। प्रशासन इस जमीन को डालमिया सीमेंट कंपनी को 40 वर्ष की लंबी लीज पर देने की प्रक्रिया कर रहा है, जिसका स्थानीय किसान लगातार पुरजोर विरोध कर रहे हैं। महापंचायत में पहुंचे राष्ट्रीय किसान प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने स्पष्ट कहा कि किसानों की उपजाऊ जमीन एक उद्योग को सौंपना क्षेत्र के किसानों के भविष्य के साथ सीधा अन्याय है।

**ट्रैक्टर और बाइकों से निकाला मार्च, गूंजे नारे:** बुधवार को सैकड़ों की संख्या में किसान अपने ट्रैक्टरों, चारपहिया वाहनों और बाइकों के साथ सड़क पर उतर आए। मैहर ढाबा बायपास से लालपुर होते हुए अमरपाटन मुख्य मार्ग से पुरानी कृषि उपज मंडी तक एक विशाल रैली निकाली गई। इस दौरान किसानों ने भूमि अधिग्रहण और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर अपना आक्रोश व्यक्त किया और शहर भर में शक्ति प्रदर्शन किया।

**दूध और भ्रष्टाचार के मुद्दे:** पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर में दोपहर 1 बजे से 3:30 बजे तक चली इस महापंचायत में सिर्फ जमीन अधिग्रहण का मुद्दा ही नहीं गूंजा, बल्कि किसानों से जुड़ी अन्य गंभीर समस्याओं पर भी मंथन हुआ। आवारा और जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा, दुग्ध का समर्थन मूल्य 9 रुपये प्रति फैट निर्धारित करने, बकाया भुगतान, बिजली विभाग की मनमानी बिल वसूली, तहसीलों व सरकारी दफ्तरों में फैले भ्रष्टाचार और बैंकों की मनमानी जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा गया।

## घायल हालत में मिला हिरण,करसरा गांव के लोगों ने वन विभाग को दी सूचना

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** सतना जिले के रैगांव क्षेत्र के करसरा गांव में बुधवार सुबह करीब 9 बजे सड़क किनारे एक हिरण का बच्चा घायल अवस्था में मिला। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। हिरण के बच्चे को इतनी नजदीक से देखने के लिए ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई, जिससे मौके पर कौतूहल का माहौल बन गया। गांव के कुछ लोगों ने सड़क किनारे हलचल देखकर पास जाकर देखा तो हिरण का बच्चा घायल हालत में तड़प रहा था। बताया गया कि आवारा कुत्ते उस पर हमला करने की कोशिश कर रहे थे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कुत्तों को भगाया और हिरण के बच्चे की जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हिरण के पैर और कान में चोट के निशान हैं। आशंका जताई जा रही है कि वह किसी वाहन की चपेट में आया होगा या कुत्तों के हमले में घायल हुआ है। वन विभाग को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घायल हिरण के बच्चे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। वन विभाग की टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि हिरण का बच्चा गांव तक कैसे पहुंचा और उसे चोटें कैसे आईं।

## छात्राओं के साथ बेंच पर बैठे कुत्ते का वीडियो पीएमश्री कॉलेज में आराम करते दिखा जानवर

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सतना जिले की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता एक वीडियो बुधवार को सामने आया है। यह वीडियो पीएमश्री शासकीय डिग्री कॉलेज सतना की एक कक्षा का बताया जा रहा है, जहां पढ़ाई के दौरान छात्राओं के बीच एक कुत्ता बेंच पर आराम से सोता नजर आया। जानकारी के अनुसार, जिस समय यह वीडियो रिकॉर्ड किया गया, उस वक्त कक्षा नियमित रूप से चल रही थी। कक्षा में चारों ओर छात्राएं बैठी हुई थीं और ठीक उनके बीच एक बेंच पर कुत्ता गहरी नींद में सोता दिखाई दिया। हैरानी की बात यह रही कि न तो किसी ने उसे बाहर किया और न ही कक्षा की व्यवस्था को लेकर कोई हस्तक्षेप हुआ। बताया जा रहा है कि नींद पूरी होने के बाद कुत्ता बेंच पर ही उठा, अंगड़ाई ली और फिर आराम से कक्षा से बाहर निकल गया। यह पूरा दृश्य कॉलेज की व्यवस्था और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

## नानाजी ने विविध क्षेत्रों में हजारों लोगों को गढ़ने का कार्य किया-डॉ. मोहन यादव

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** भारत रत्न नानाजी देशमुख के निर्वाण के 16 वर्ष पूर्ण होने पर उनकी 16वीं पुण्यतिथि पर 25 से 27 फरवरी तक दीनदयाल परिसर में पांच अलग-अलग सम्मेलन व संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। जिसका सामूहिक उद्घाटन सत्र बुधवार को विवेकानन्द सभागार में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के वर्चुअल उद्बोधन से हुआ। आभाषी माध्यम पर भोपाल से संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रोत्थान के लिए अपने जीवन को समर्पित करने वाले श्रद्धेय नाना जी को उनकी 16वीं पुण्यतिथि पर अपने श्रद्धा पुष्प अर्पित करता हूं। नाना जी ने विविध क्षेत्रों में हजारों लोगों को गढ़ने का काम किया है, उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बहुत ही उन्नतशील काम खड़ा किया है। नानाजी ने चित्रकूट के उत्थान में कई कार्य किए, उन्होंने कृषि, शिक्षा, अनुसंधान, रोजगार, स्वास्थ और स्वावलम्बी बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र मे बहुत बड़ा कार्य किया है। उनके सभी कार्यों को मध्य प्रदेश सरकार की ओर से नमन करता हूं और इस महत्वपूर्ण समाजोपयोगी आयोजन के लिए आयोजक मंडल को शुभकामना देता हूं। उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के सीईओ अमिताभ वशिष्ठ ने तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट के प्रमुख डॉ राजेंद्र सिंह नेगी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

## जिला सैनिक कल्याण अधिकारी तहसील रामपुर बघेलान में रहेंगे उपस्थित

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त) 26 फरवरी को दोपहर 12 बजे तहसील रामपुर बघेलान के ग्राम त्योंधरी में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर उनके साथ आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड सतना की टीम भी उपस्थित रहेगी। जो भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की स्पर्श पोर्टल से संबंधित समस्याओं का समाधान करेगी तथा जीवन प्रमाण पत्र से जुड़ी आवश्यक जानकारी देगी।

## धर्मान्तरण विवाह के विरोध में सर्वसमाज ने दिया ज्ञापन

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** राधिका (काल्पनिक नाम)व फरदीन अहमद के विवाह आवेदन के विरोध में सर्वसमाज के साथ विविध एवं अनेको संस्थाओ आजएडीएम विकास सिंह जी को ज्ञापन देकर कड़ा विरोध जताया सर्वसमाज द्वारा पुलिस अधिक्षक कार्यालय में भी ज्ञापन सौपा गया और मांग की गई कि राधिका को बचाया जाय। ज्ञात हो कि फरदीन अहमद द्वारा राधिका ( काल्पनिक नाम )के साथ नाबालिग अवस्था में ही उसके साथ शरीरिक शोषण किया गया था, जिससे उसके व उसके परिवार के विरूद्ध थाना मढ़ाताल जबलपुर में अपराध पंजीबद्ध राधिका ने खुद कराया था जिसका अपराध क्र0 785/2024 है।

निम्न धारायो बी.एन.एस.-2023.87,96,64,64(2)(एम) , लैंगिक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012- की धारा -3 (1)(ए) 5 मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की 2021 की धारा 3(1)(ए) 5 के तहत 04/09/2023 को मुकदमा दर्ज है। वर्तमान में जिला न्यायालय जबलपुर में केस चल रहा हैं उसके बावजूद विशेष विवाह अधिनियम के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान आवेदन 29/08/2025 को प्रस्तुत किया हैं। जिसकी अगामी पेशी-6 मार्च को है जिसके सम्बन्ध में सर्वसमाज ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। विरोध दर्ज करने में वैश्य महासम्मेलन म0प्र0 विन्ध्य चेम्बर आफ कामर्स, बंगाली कल्याण संमाज म0प्र0 अग्रवाल महासभा विश्व हिन्दू परिषद, बजरंगदल, तम्राकार समाज सतना उचेहरा रीवा अमरपाटन मैहर नागौद जायसवाल समाज अदि संगठनो ने आपत्ती दर्ज की है।मणिकांत महेश्वरी विक्रम चौधरी राजबहादुर मिश्रा,जयदेव ताम्रकार ,हरिओम गुप्ता, सतीश सुखेजा, विष्णू अग्रवाल, सागर गुप्ता, मौसम ताम्रकार, प्रदीप ताम्रकार, भरत ताम्रकार, अशोक ताम्रकार, राकेश ताम्रकार, मनीष ताम्रकार आदि ममता ताम्रकार, ललिता ताम्रकार अंजना ताम्रकार, वंदना ताम्रकार रीतू ताम्रकार, सुभद्रा ताम्रकार, सुचिता ताम्रकार, सन्तोष ताम्रकार आदि सौकड़ो लोग शामिल रहे।

## बकरी लूट मामले में नाबालिग भी पकड़ाया बोलेरो जब्त नत्थू साई गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** पुलिस ने बकरी लूट के एक मामले में कुख्यात अंतर्राज्यीय नत्थू साई गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई 10 लाख रुपये की बोलेरो भी जब्त की है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के शंकरगढ़ इलाके से की गई है। मझगवां थाना क्षेत्र के पटिहर जंगल में 3 फरवरी को रामप्रताप सिंह गोड़ (65) और उनकी पत्नी को बांधकर पीटा गया था। बदमाश उनकी बकरियां लूटकर फरार हो गए थे। टीआई आदित्य नारायण सिंह धुर्वे ने बताया कि दंपति अपनी बकरियां लेकर बरहटा जंगल गए थे। वहां 3-4 अज्ञात बदमाशों ने हथियारों के बल पर उन्हें बंधक बना लिया। बदमाशों ने उन्हें पेड़ से बांधकर मारपीट की और बकरियों को चार पहिया वाहन में लादकर ले गए। लुटेरों ने 600 रुपये नकद और महिला से सोने की फुलिया भी छीन ली थी। वारदात के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान तीन बकरियां लावारिस हालत में मिली थीं। मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने मामले की पड़ताल की। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के शंकरगढ़ इलाके से जुड़े नत्थू साई गिरोह की संलिप्तता सामने आई। स्थानीय पुलिस के सहयोग से पता चला कि शंकरगढ़ के बंधवा गांव निवासी मनोज कुमार उर्फ सिट्टी (50) पुत्र रामलाल चौधरी के पास कई चार पहिया वाहन हैं, जिनका इस्तेमाल गिरोह रेकी और लूट के लिए करता है।

## विंध्य में उड़ान भरेंगे सपने : युवाओं के लिए विमानन में नए रोज़गार के द्वार

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** विंध्य क्षेत्र के युवाओं के लिए एक नई और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब एविएशन जैसे तेज़ी से बढ़ते क्षेत्र में करियर बनाना विंध्य के छात्रों के लिए और आसान होने जा रहा है। एयरदिवित उड़ान अकैडमी प्राइवेट लिमिटेड, सतना और एरोस्पेस एंड एविएशन सैक्टर स्किल काउंसिल के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते का उद्देश्य विंध्य क्षेत्र के युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें सीधे रोज़गार से जोड़ना है। यह आपसी सहमति पत्र ,संघरक्षाका वी पी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरोस्पेस एंड एविएशन सैक्टर स्किल काउंसिल, और जागृत कपूर निदेशक एयरडिविट उड़ान अकादमी के बीच बंगलुरु में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एयरडिविट उड़ान अकादमी के एयरपोर्ट सर्विस विभाग के प्रमुख आनंदा गांगुली तथा एरोस्पेस एंड एविएशन सैक्टर स्किल काउंसिल के बिज़नेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव अभिषेक झा भी उपस्थित रहे। इस समझौते के तहत विंध्य क्षेत्र के छात्रों को एयरपोर्ट ऑपरेशन, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस और रिपेयर, ड्रोन ऑपरेशन, एयरपोर्ट कस्टमर सर्विस जैसे जॉब ओरिएंटेड कोर्स कराए जाएंगे। यह सभी प्रशिक्षण एन ई पी 2020 के अनुरूप और नेशनल स्किल क्वॉलिफ़िकेशन फ्रेमवर्क से जुड़े होंगे,एरोस्पेस एंड एविएशन सैक्टर स्किल काउंसिल भारत सरकार के कौशल विकास ढांचे के अंतर्गत कार्य करता रिसर्च संस्थानों और ट्रेनिंग संस्थाओं के साथ मिलकर उद्योग की ज़रूरत के अनुसार प्रशिक्षण देता है।

# मैहर में शराबबंदी पर बड़ा सवाल कागज़ों में सख्ती, ज़मीन पर पैकारी

### आप नेता का ज्ञापन, वार्डों में गुपचुप बिक्री की चर्चा से गरमाई सियासत

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** मां शारदा की नगरी मैहर में शराबबंदी को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मोहन यादव सरकार द्वारा धार्मिक नगरों में पूर्ण शराब प्रतिबंध की घोषणा के बाद उम्मीद थी कि शहर नशामुक्ति की दिशा में उदाहरण बनेगा लेकिन जमीनी हकीकत पर सवाल उठने लगे हैं। शहर के अलग-अलग वार्डों खासकर प्रतिबंधित क्षेत्रों में कथित पैकारी और सप्लाई की चर्चाएं थम नहीं रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम ढलते ही कुछ मोहल्लों में गुपचुप तरीके से शराब उपलब्ध हो जाती है। सोशल मीडिया पर पुलिस की नशा-विरोधी पोस्ट आते ही नागरिक कथित अड्डों के नाम गिनाने लगते हैं। सवाल यही है अगर अवैध शराब भी नशे की श्रेणी में आती है तो कार्रवाई का असर ज़मीन पर क्यों नहीं दिख रहा सूत्रों का दावा है कि पिछले एक वर्ष में आबकारी एक्ट के तहत दर्ज मामलों का आंकड़ा सार्वजनिक कर दिया जाए तो सच्चाई सामने आ सकती है। जिला पुलिस मुख्यालय नगर में ही मौजूद है इसके बावजूद कथित अवैध कारोबार के फलने-फूलने की चर्चाएं प्रशासनिक सख्ती पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। क्या यह निगरानी तंत्र की कमजोरी है या कहीं न कहीं सिस्टम की ढिलाई इसी मुद्दे को लेकर पुष्पेंद्र सिंह (आम आदमी पार्टी) ने विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में जनभागीदारी मॉडल लागू करने की मांग की गई है।आप नेता का कहना है कि धार्मिक नगरी को नशामुक्त बनाने के लिए सिर्फ घोषणाएं नहीं बल्कि पारदर्शी और कठोर कार्रवाई जरूरी है। ज्ञापन में सुझाव दिए गए हैं कि- वार्ड-स्तर पर निगरानी समितियां गठित हों, शिकायतों के लिए हेल्पलाइन सक्रिय की जाए आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीमें नियमित छापेमारी करें, कार्रवाई की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। शहर में यह भी चर्चा है कि यदि बड़ी कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं, तो फिर पैकारी की शिकायतें लगातार क्यों सामने आ रही हैं? क्या छिटपुट धरपकड़ से तस्वीर बदलेगी या पूरे नेटवर्क पर निर्णायक वार की जरूरत है धार्मिक नगरी की गरिमा दांव पर है। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रतिबंध के बावजूद वार्डों में शराब उपलब्ध है, तो यह सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि आस्था का भी अपमान है। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं क्या शराबबंदी फाइलों से निकलकर सड़कों तक पहुंचेगी? क्या अवैध माफिया पर सख्त और सतत अभियान चलेगा

## चोट के बाद 15 वर्षीय किशोर को हुआ टेटनस, डेढ़ महीने में दूसरा मामला

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** पाथर कछार गांव के 15 साल के शीतल खैरवार को गंभीर टेटनस होने के बाद जिला अस्पताल के सेकेंड आईसीयू में भर्ती कराया गया है। करीब सात दिन पहले उसके पैर में चोट लगी थी। समय पर सही इलाज और टीका नहीं लग पाने के कारण घाव में संक्रमण बढ़ गया और उसे टेटनस हो गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर है और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों के अनुसार टेटनस की वजह से किशोर को सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। स्थिति बिगड़ने पर शासकीय मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मोहित समाधिया ने उसकी ट्रैकियोस्टॉमी की। इस प्रक्रिया में गर्दन के सामने छोटे ऑपरेशन के जरिए एक छेद बनाकर ट्यूब डाली जाती है, जिससे मरीज को सीधे सांस लेने में मदद मिलती है। अब ऑक्सीजन सीधे फेफड़ों तक पहुंचाई जा रही है। मरीज का इलाज डॉक्टरों की टीम कर रही है। यह टीम डॉ. एलपी सिंह के निर्देशन में डॉ. बद्री विशाल सिंह और सीनियर रेजीडेंट डॉ. चेतन के साथ लगातार निगरानी कर रही है। जिला अस्पताल में टेटनस का यह डेढ़ महीने में दूसरा मामला है। इससे पहले सरसा (पन्ना) निवासी 19 वर्षीय लोकेन्द्र सिंह को भी शरीर में अकड़न की शिकायत के बाद मैंगलौर और मैहर से होते हुए सतना रेफर किया गया था। उसे भी वेंटिलेटर पर रखा गया था। रेयर डिसीज में शुमार हो चुके टेटनस का मामला करीब 15 साल बाद सामने आया था। वर्ष 2010-11 में ऐसे मरीजों की संख्या ज्यादा हुआ करती थी। सहायक प्राध्यापक (मेडिसिन), जीएमसी डॉ. बद्री विशाल सिंह ने बताया कि चोट लगने के बाद समय पर उपचार और टीकाकरण नहीं होने से टेटनेस जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। चोट लगने पर तत्काल उपचार कराएं और टेटनेस से बचाव के लिए आवश्यक टीकाकरण जरूर कराएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।